तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 36 अंक 211 | कोरबा, रविवार , दिनांक 04 मई 2025 डाक 05 मई 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के मंत्री आशीष सूद दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान विभिन्न स्कूलों के अभिभावकों के साथ बातचीत करते हुए।

देश-विदेश

कोलकाता में चिलचिलाती गर्मी में सड़क पर गिरा घोड़ा, बेरहम मालिक बरसाता रहा थप्पड़

फीचर पेज

रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे

युद्ध हुआ तो सिर्फ 4 दिन में घुटनों पर होगा पाक! पड़ोसी मुल्क के पास नहीं बचा गोला-बारूद, रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

नईदिल्ली, 04 मई [एजेंसी]।

पाकिस्तान की सेना इन दिनों एक गंभीर गोला-बारूद संकट से जूझ रही है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के मुताबिक, सेना के पास सिर्फ 96 घंटे तक युद्ध लड़ने के लिए जरूरी गोला-बारूद बचा है। इसका मतलब है कि अगर कोई भी उच्च तीव्रता वाला युद्ध शुरू हो जाए, तो पाकिस्तान की सेना ज्यादा देर तक टिक नहीं पाएगी। इस संकट की एक बड़ी वजह पाकिस्तान द्वारा हाल ही में यूक्रेन को भेजा गया हथियारों का जखीरा है। ये गोले पाकिस्तान की आर्टिलरी-आधारित युद्ध नीति के लिए बेहद जरूरी हैं, जो अब सीधे तौर पर प्रभावित हो रही है। पाकिस्तान की हथियार निर्माण कंपनी पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री, जो सेना को गोला-बारूद उपलब्ध कराती है वो अब पुराने उपकरणों और सीमित उत्पादन क्षमता के कारण घरेलू मांग पूरी नहीं कर पा रही है। पीओएफ का दावा है कि उसकी प्राथमिकता घरेलू जरूरतें हैं, लेकिन वर्तमान हालात में वो असफल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 2 मई को हुई कोर कमांडर्स की विशेष बैठक में इस गंभीर स्थिति पर चर्चा हुई। सेना के वरिष्ठ अधिकारी इस हालात को लेकर बेहद चिंतित हैं और कई हद तक असहज महसूस कर रहे हैं। पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा पहले ही पाकिस्तान की सीमित युद्ध क्षमता को लेकर चेतावनी दे चुके थे। उन्होंने आर्थिक और लॉजिस्टिक समस्याओं को प्रमुख वजह बताया था। पाकिस्तान की वर्तमान आर्थिक स्थिति, जिसमें महंगाई चरम पर है, कर्ज लगातार बढ़ रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार गिर रहा है, इसने हालात और भी बिगाड़ दिए हैं। इस संकट के कारण सेना को अपने प्रशिक्षण अभ्यासों को रद्द करना, राशन में कटौती करना और युद्धाभ्यास स्थगित करना पड़ा है क्योंकि ईंधन की भी भारी कमी है।

कोझिकोड में सड़क हादसा देख प्रियंका गांधी ने रुकवाया काफिला, घायलों की तुरंत की मदद

कोझिकोड। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार रात केरल के ईंगप्पुझा इलाके में एक सड़क हादसा होते देखा, तो उन्होंने तुरंत अपना काफिला रुकवा दिया। उन्होंने अपने काफिले में मौजूद डॉक्टर को मौके पर बुलाया और घायलों का प्राथमिक इलाज करवाया। इसके बाद उन्होंने एंबुलेंस में मौजूद मेडिकल टीम को निर्देश दिया कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाए। यह हादसा कोझिकोड जिले में हुआ, जब कोयिलांडी निवासी नौशाद और उनके परिवार की कार की टक्कर एक दूसरी कार से हो गई। इस दौरान प्रियंका गांधी का काफिला वहां से गुजर रहा था। उन्होंने न केवल रुककर घायलों से बात की बल्कि उनकी हालत की जानकारी भी ली। प्रियंका गांधी इन दिनों अपने लोकसभा क्षेत्र वायनाड के तीन दिवसीय दौरे पर केरल में हैं।

पहलगाम हमले के समय यूरोप में मना रहे थे छुट्टियां, मिलिंद देवड़ा का उद्धव ठाकरे पर हमला

मुंबई। शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने रविवार को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के लिए शोक मना रहा था, उस समय वह (उद्धव ठाकरे) अपने परिवार के साथ यूरोप में छुट्टियां मना रहे थे। 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने बैसरन घाटी में 26 लोगों की हत्या कर दी थी। इस निर्मम हत्या की चौतरफा निंदा हुई। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगों ने आतंकियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की अपील भी की।

गीदड़भभकियों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान; तनाव के बीच पड़ोसी के राजदूत ने उगला परमाणु हमले वाला जहर

मॉस्को 04 मई। पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। इस वजह से पड़ोसी मुल्क के राजनेताओं से लेकर नौकरशाहों तक की बेचैनी और बड़बोलापन दुनिया के सामने आ गया है। इसी बौखलाहट के क्रम में रूस में आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के राजदूत ने खुलेआम भारत को धमकी दी है। राजदूत ने कहा कि अगर नई दिल्ली अपने पड़ोसी पर हमला करता है तो इस्लामाबाद परमाणु हथियारों सहित अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेगा। हालांकि, वो शायद यह भूल गए उनका देश पाई-पाई के लिए दुनियाभर के सामने हाथ फैला रहा है। उनकी खुद की आवाम आटे और पानी के लिए जद्दोजहद कर रही है। ऐसे में उन्हें वैश्विक नेता के तौर पर उभर रहे भारत के लिए कुछ भी बोलने से पहले कई बार सोचना चाहिए था।

वन नेशन, वन इलेक्शन के लिए नोएडा में ऐतिहासिक दौड़, हजारों लोगों ने लिया हिस्सा

नोएडा। नोएडा स्टेडियम में रविवार को वन नेशन, वन इलेक्शन के समर्थन में एक दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को साथ कराने की आवश्यकता के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहे, जिन्होंने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। नोएडा स्टेडियम के गेट नंबर 5 से दौड़ शुरू हुई, जिसमें हजारों की संख्या में महिला और पुरुष दोनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल को तैनात किया गया। शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से कहा कि नोएडा की सड़कों पर नया इतिहास रचा गया है। जन सैलाब में बच्चे, माताएं-बहनें, भाई-बेटे और बुजुर्ग शामिल हैं। सभी का संकल्प एक है कि बार-बार होने वाले चुनाव देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा बन गए हैं। चुनावों में पैसा खर्च होता है, आचार संहिता से विकास कार्य ठप हो जाते हैं। अब समय है कि संविधान में संशोधन कर 5 साल में एक बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव हों, ताकि देश की प्रगति बाधित न हो। यह मोदी जी का भी संकल्प है। नोएडा इसके लिए सड़कों पर दौड़ रहा है, मैं नोएडा को प्रणाम करता हूं। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर अभियान चलाया गया। वन नेशन, वन इलेक्शन से देश में बहुत तेजी से विकास होगा। इससे खर्च में भी कमी आएगी, अभियान के समर्थन में आज हजारों लोग यहां पहुंचे हैं।

सिंगापुर आम चुनाव में लॉरेंस वोंग को प्रचंड बहुमत, प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। सिंगापुर आम चुनाव में लॉरेंस वोंग की पार्टी ने फिर बंपर सीट हासिल की है। उनकी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ढेर सारी बधाई दी और भारत-सिंगापुर के रिश्तों को और मजबूत करने पर बल दिया। एक्स पोस्ट पर पीएम मोदी ने लिखा- आम चुनावों में आपकी शानदार जीत पर हार्दिक बधाई लॉरेंस वोंग। भारत और सिंगापुर के बीच एक मजबूत और बहुआयामी साझेदारी है, जो लोगों के बीच घनिष्ठ संबंधों पर आधारित है। मैं हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करना जारी रखने के लिए तत्पर हूं।

जहाजों की एंट्री बैन से लेकर डाक-पार्सल पर पाबंदी तक

नईदिल्ली, 04 मई [एजेंसी]।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया हुआ है। अब भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन बड़ी कार्रवाई की है, जिसके तहत भारत ने पाकिस्तान से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आयात पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी है। साथ ही पाकिस्तान से आने वाले डाक-पार्सल पर भी रोक लगा दी गई है। भारत ने पाकिस्तान का झंडा लगे जहाजों को भी भारत के बंदरगाहों पर रुकने से रोक लगा दी है। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान से आने वाले सभी आयात पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाई जाती है। इसके बाद तीसरे देश से होते हुए भी पाकिस्तान का सामान भारत नहीं आ पाएगा। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि पाकिस्तान से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आने वाला सभी आयात पर अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाती है। यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के तहत लगाया गया है। इस प्रतिबंध में किसी भी छूट को भारत सरकार की मंजूरी जरूरी होगी। भारत ने पाकिस्तान पर दूसरा प्रहार, उसके जहाजों की भारतीय बंदरगाहों पर एंट्री बैन करके किया है। भारत सरकार ने आदेश में कहा है कि पाकिस्तान का झंडा लगे किसी भी जहाज को भारतीय बंदरगाह पर रुकने की इजाजत नहीं होगी। साथ ही भारत का झंडा लगा कोई भी जहाज पाकिस्तान के बंदरगाह पर भी नहीं रुकेगा। हालांकि किसी अपवाद के मामले पर सरकार अंतिम फैसला करेगी। वहीं पाकिस्तान की सरकार ने भी अपनी बौखलाहट छिपाने के लिए भारत के जहाजों को पाकिस्तानी बंदरगाहों पर रुकने से रोक दिया है। भारत सरकार ने पाकिस्तान से आने वाले सभी डाक-पार्सल पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

बद्रीनाथ मंदिर के कपाट आज सुबह खुले हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया

नईदिल्ली, 04 मई [एजेंसी]।

बदरीनाथ मंदिर के कपाट आज सुबह छह बजे रवि पुष्य लग्न में श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलते ही धाम जय बदरी विशाल के जयकारों की गूंज से गूंज उठा। वहीं, श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा हुई। बदरीनाथ के कपाट खुलने पर यहां छह माह से जल रही अखंड ज्योति के दर्शन के लिए देश-विदेश के श्रद्धालु धाम पहुंचे हैं। धाम में 10,000 से अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं।

भारत माइनिंग कंपनी की साइट पर नक्सली हमला, 6 गाड़ियों और बड़ी मशीनों में लगाई आग

रांची। लातेहार जिला अंतर्गत चंदवा थाना क्षेत्र में नक्सलियों के हथियारबंद दस्ते ने कोल इंडिया की सहयोगी कंपनी सीएमपीडीआई (सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट) के साइट पर धावा बोलकर दो ड्रिलिंग मशीन सहित आठ गाड़ियों में आग लगा दी। सुदूर जंगलवर्ती इलाके में स्थित साइट पर अंजाम दी गई इस घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम रविवार सुबह मौके पर रवाना हुई है। वारदात को अंजाम देने वाले नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में छापेमारी भी शुरू की गई है। जानकारी के अनुसार, सीएमपीडीआई की ओर से चंदवा की चकला पंचायत अंतर्गत तोरीसात गांव में भूमिगत कोयला भंडार के सर्वे के लिए साइट चिन्हित किया गया था। यहां कंपनी की तकनीकी टीम की ओर से ड्रिलिंग और सर्वे के उद्देश्य से प्रारंभिक खनन का कार्य किया जा रहा था। इसमें कई श्रमिकों को भी लगाया गया था। बताया गया कि शनिवार-रविवार की रात हथियारबंद नक्सली साइट पर पहुंचे और फायरिंग करके दहशत फैलाई।

इसके बाद उन्होंने दो ड्रिलिंग मशीन, दो कार, दो पिकअप तथा दो ट्रकों में आग लगा दी। सभी वाहन जलकर राख हो गए। नक्सली लगभग एक घंटे तक उत्पात मचाते रहे। लातेहार जिले में भाकपा माओवादी, टीएसपीसी (तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी), झारखंड जनसंघर्ष जनमुक्ति मोर्चा सहित कई नक्सली संगठन सक्रिय रहे हैं।

प्रयागराज में दर्दनाक हादसा: रात में लौट रहे बारातियों की कार पेड़ से टकराई, हादसे में चार की मौत और एक गंभीर

प्रयागराज। प्रयागराज के पिपरी कोतवाली के कस्बा चायल के आगे शनिवार रात करीब 12 बजे लौट रहे बरातियों की कार गुंगवा की बाग स्थित शिवरानी गेस्ट हॉउस के समीप जामुन के पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप घायल हो गया है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कार से निकाल कर प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल ले गई, जहां डाक्टरों ने जांच के बाद चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। पूरामुफ्ती निवासी लालबहादुर पटेल के बेटे बुधराम पटेल की शादी समोरह में शामिल होने के लिए शनिवार रात सल्लाहपुर चौकी अंतर्गत मानिकपुर निवासी सुनील कुमार, रवि कुमार, धूमनगंज कोतवाली के बाकराबाद निवासी चंद्रबदन, बड़के कोटवा निवासी दिलीप कुमार और बलिया निवासी एयर फोर्स कर्मी विकास कार से कस्बा चायल के आंबेडकर नगर वार्ड निवासी दौलत राम पटेल के घर आए थे। रात 12 बजे के करीब लौटने के दौरान गुंगवा की बाग स्थित शिवरानी गेस्ट हॉउस के समीप कार जामुन के पेड़ टकरा गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने सुनील कुमार (36) पुत्र नारायण पटेल, रवि कुमार (35) पुत्र शंभूनाथ पटेल, चंद्रबदन (42) पुत्र गुलाब और विकास (40) को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल दिलीप का इलाज चल रहा है।

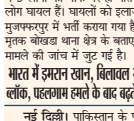

सीतामढ़ी में सड़क हादसा, ट्रक और स्कॉर्पियो की सीधी टक्कर में 3 लोगों की मौत

रुन्नीसैदपुर। मुजफ्फरपुर-सोनबरसा एनएच-22 पर महिंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत बगही मठ के समीप ट्रक और स्कॉर्पियो में सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो लोग घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए SKMCH मुजफ्फरपुर में भर्ती कराया गया है। स्कॉर्पियो सवार मृतक बोखडा थाना क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

भारत में इमरान खान, बिलावल भुट्टो के एक्स अकाउंट ब्लॉक, पहलगाम हमले के बाद बढ़ते तनाव के बीच फैसला

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के एक्स अकाउंट को भारत में ब्लॉक कर दिया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार के एक्स अकाउंट पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे एक दिन पहले ही उन्होंने दावा किया था कि इस्लामाबाद के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

बिना किसी देरी जातिगत जनगणना शुरू कराने की मांग, कांग्रेस कार्यसमिति में पारित किया गया प्रस्ताव

नईदिल्ली, 04 मई [एजेंसी]।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक जातिगत जनगणना का मुद्दा उठा। इसे लेकर कार्यसमिति ने प्रस्ताव पास किया। इसमें बिना किसी देरी, बहाने और टालमटोल के जातिगत जनगणना शुरू कराने की मांग की गई।

इसके अलावा आरक्षण से जुड़े एक अन्य प्रस्ताव को पारित किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में जाति जनगणना के मुद्दे पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पारित प्रस्ताव में दो मांग की गई। इसमें पहली थी कि निजी शिक्षण संस्थानों में ओबीसी, दलितों और आदिवासियों के आरक्षण के लिए संविधान के अनुच्छेद 15(5) को तत्काल लागू किया जाए। साथ ही जाति जनगणना बिना किसी देरी के कराई जाए।

कोरबा सहित आसपास के क्षेत्रों में हुई जमकर बारिश जनजीवन अस्त व्यस्त

70 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवा

कोरबा । कोरबा जिले में मौसम अचानक बदल गया हैं। यहां तेज हवाओं के साथ जमकर बारिश हुई, बताया जा रहा हैं की बारिश के साथ ओलावृष्टि ने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान में 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है और यह 38 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक तापमान में गिरावट बने रहने का अनुमान जताया है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिलने की संभावना है।

हालांकि इस बेमौसम बारिश ने जहां आम लोगों को भीषण गर्मी से राहत दिलाई है, वहीं सब्जियों और अन्य फसलों को हुए नुकसान ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। समाचार लिखे जाने तक भी बादल गरज रहे है, अनुमान लगाया जा रहा हैं कि बारिश पुनः होगी। 70 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाओ के बीच जमकर बारिश और ओलावृष्टि हुई। अनेक स्थानों में सड़कों ओर गलियों में पानी भर गया, सभी नालियां पानी से लबालब हो गई। पानी नाली के ऊपर से बहने लगा। तेज बारिश और अंधड़ के चलते सड़को पर कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। आने जाने वाले लोगों को वाहन की लाइट जला कर चलना पड़ा। विद्युत व्यवस्था भी पुरी तरह चरमरा गयी हैं जानकारी दी जा रही हैं की कई स्थानों में पेड़ भी गिर गए हैं। लोगो को आवागमन में काफी परेशानियो का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

मौसम विभाग ने कोरबा और आसपास के जिलों में अगले कुछ घंटों तक गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी फसलों को सुरक्षित करने के लिए तत्काल कदम उठाएं।

दीपका नगर पालिका परिषद में मजदूर दिवस का हुआ आयोजन

कोरबा। नगर पालिका परिषद दीपका में मजदूर दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राजेन्द्र राजपूत ने सभी मजदूरों और स्वच्छता दीदियों को सम्मानित किया। उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ पार्षद एवं पीआईसी मेंबर अरुनीश तिवारी, पार्षद आलोक परेडा, सरस्वती कंवर, अविनाश सिंह, सुखसागर साहू, सुमनलता गिलहरे, हिमांशु देवांगन, ज्योति तिवारी, इतखार अली, अविनाश यादव, कमलेश जयसवाल सहित अन्य पार्षदगण उपस्थित थे। इसके अलावा पूर्व पार्षद रोहित जयसवाल, पूर्व पार्षद दीपक गिलहरे, इंजीनियर मघुकर यादव, प्रियदर्शी सोनी सहित समस्त नगर पालिका स्टाफ ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। सभी ने स्वच्छता दीदियों का सम्मान किया और उनके कार्यों की सराहना करी।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राजेन्द्र राजपूत ने कहा कि मजदूरों और स्वच्छता दीदियों के बिना हमारा शहर स्वच्छ और सुंदर नहीं रह सकता। उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करी। कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर किया था। इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे को मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दीं और मजदूरों के अधिकारों और उनकी गरिमा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वच्छता दीदियों को सम्मानित किया और उन्हें उपहार भेंट किए। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

कथक में विशिष्ठा श्रीवास्तव ने नागपुर की राष्ट्रीय नृत्य स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर बढ़ाया जिले व छत्तीसगढ़ का मान

कोरबा । कोरबा जिले की 9 वर्षीय प्रतिभाशाली कथक नृत्यांगना विशिष्ठा श्रीवास्तव ने नागपुर में आयोजित ऑल इंडिया कल्चरल नेशनल डांस फेस्टिवल नृत्य संस्कृति 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त कर कोरबा और छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 28 अप्रैल से 30 अप्रैल तक नागपुर में अखिल नटराजन अंतर-सांस्कृतिक संघ द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर से लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए विशिष्ठा ने कथक नृत्य की विभिन्न विधाओं देवी वंदना, चक्कर, परन, भाव, तीन ताल के बोल तथा कृष्ण ठुमरी का बेहद आकर्षक एवं मनमोहक प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशिष्ठा कोरबा के निवासी विजय श्रीवास्तव और रितिका श्रीवास्तव की सुपुत्री हैं। वह कथक की शिक्षा सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना कुमारी प्रीति चंद्रा से ले रही हैं, जो इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से कथक गोल्ड मेडलिस्ट हैं और कई बार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर चुकी हैं। कम उम्र में ही विशिष्ठा गोवा, रायपुर, बिलासपुर जैसे विभिन्न मंचों पर भी प्रथम स्थान प्राप्त कर चुकी हैं। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विशिष्ठा अपने माता-पिता और गुरु को देती हैं, जिन्होंने उन्हें हमेशा संस्कृति की गहराई समझाई।

तेंदूपत्ता पत्ता बोनस का घोटाला

कोरबा। छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने तेंदूपत्ता बोनस में गबन के मामले में राज्यपाल को चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होंने 8 करोड़ 21 लाख रुपए गबन के मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही गबन की गई राशि का वितरण संग्राहकों को कराने की मांग की है।अपने पत्र में उन्होंने लिखा है कि, अनुसूचित क्षेत्र बस्तर के वनमंडल सुकमा के 67732 आदिवासी तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवारों के प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) की राशि 8,21,89,273.00 रूपये का गबन करने की एक घटना हाल ही में प्रकाश में आई है। परंतु इस अत्यधिक गंभीर आपराधिक मामले में राज्य सरकार की कार्यवाही अत्यधिक निराशाजनक है। वन मंडल सुकमा के अन्तर्गत आने वाले समस्त 25 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों तथा वन विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के द्वारा घोटाला किया गया है। किन्तु अब तक केवल एक अधिकारी का निलंबन और गिरफ्तारी की गई है,

मेमू स्टेशन के बजाय साइडिंग में घुसी

कोरबा। बिलासपुर से यात्रियों को ले कर आ रही मेमू ट्रेन शनिवार को कोरबा से रवाना हो कर गेवरा रोड स्टेशन की बजाय एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र की न्यू कुसमुंडा रेलवे साइडिंग में जा पहुंची।यह तो अच्छा हुआ कि लोको पायलट सतर्क था और उसने मेमू सवारी गाड़ी को सही समय पर रोक लिया। इस बीच यात्री भी सहम से गए।रेल प्रबंधन ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।बताया जा रहा है कि सिग्नल देने में चूक के कारण ऐसा हुआ है।हालांकि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार सुबह दस बजे की मेमू लोकल बिलासपुर से छूटकर सुबह करीब साढ़े 11 बजे कोरबा पहुंचती है और कोरबा से गेवरा के लिए रवाना होती। यही ट्रेन गेवरा से एक बजकर दस मिनट पर छूटकर कोरबा आती है और कोरबा से दोपहर डेढ़ बजे बिलासपुर के लिए रवाना होती है। शनिवार की सुबह जब यह ट्रेन कोरबा से गेवरारोड रेलवे स्टेशन के लिए निकली, तो गेवरा स्टेशन की बजाय कमका साइडिंग (न्यू कुसमुंडा कोल लोडिंग प्वाइंट) में घुस गई।

कोरबा व गेवरा स्टेशन के बीच न्यू कुसमुंडा साइडिंग को ही कमका साइडिंग कहा जाता है, जहां कुल 11 रेल लाइन है, जहाँ सेलो के माध्यम से मालगाड़ियों में कोयला लदान होता है। अचानक रेलवे स्टेशन की बजाय कोयला साइडिंग में ट्रेन के घुस आने से महकमें में हड़कंप मच गया और जानकारी होने पर आला अफसर हरकत में आए। इस घटना के लिए फिलहाल एक स्टेशन मास्टर को सस्पेंड करने की खबर आ रही है, पर वह किस जगह पदस्थ रहे, इसकी जानकारी नहीं मिली है।

हमसफर कल्याण फाउंडेशन के अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह हुआ संपन्न

कोरबा। हमसफर कल्याण फाउंडेशन द्वारा प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी स्टेडियम, टी.पी. नगर में आयोजित निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह में छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन ने सामाजिक सौहार्द और धार्मिक मूल्यों की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत की। इस आयोजन में 121 जोड़ों ने वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की।

उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोरबा नगर के वरिष्ठ व्यवसायी, सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता तथा छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन के चेयरमेन अशोक मोदी रहे। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों को 'श्रीरामचरितमानस' की प्रतियां भेंट कीं और उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम और माता सीता के आदर्शों से प्रेरणा लेकर जीवन को धर्म, संस्कार और मर्यादा के मार्ग पर आगे बढ़ाएं।इस आयोजन में छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन, श्री सप्तदेव मंदिर महिला मंडल समिति एवं अखिल भारतीय अग्रवाल महिला मंडल ने प्रमुख सहयोगी की भूमिका निभा कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर अग्रवाल संगठन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेमा अग्रवाल एवं उमा बंसल, उपाध्यक्ष किरण मोदी, मंत्री प्रीति मोदी, श्री सप्तदेव महिला मंडल की अध्यक्षा सरला मित्तल, सुनीता देवड़ा, विमला अग्रवाल, अंकिता मोदी, निकिता मोदी, श्रेया मोदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन सभी ने न केवल नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया, बल्कि कार्यक्रम की हर व्यवस्था में सक्रिय योगदान भी दिया।

हमसफर कल्याण फाउंडेशन के सदस्य सुरेश निर्मलकर ने आयोजन में सहयोग देने वाले शंकर साव, अरुण कौशिक, कविता सोनी, सरिता देवी एवं अन्य सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।

प्राचार्य पदोन्नति के लिए नए नियम बनाने की मांग

कोरबा। छत्तीसगढ़ के प्रख्यात शिक्षाविद एवं राष्ट्रीय विचारक सतीश प्रकाश सिंह ने राज्य सरकार से स्कूल शिक्षा विभाग में प्राचार्य पदोन्नति समेत सभी संवर्गों के विवादों को समाप्त करने हेतु नए छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2025 बनाने और शीघ्र लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लागू 2019 के भर्ती एवं पदोन्नति नियम विवादों की जड़ बन चुके हैं, जिससे विभाग में कार्यरत शिक्षक समुदाय एवं विभिन्न शिक्षक संवर्गों के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी रहती है। सतीश प्रकाश सिंह ने बताया कि हाल ही में 30 अप्रैल 2025 को राज्य शासन ने 12 वर्षों से लंबित प्राचार्य पदोन्नति आदेश जारी किया था, लेकिन यह आदेश विभिन्न संवर्गों की आपसी खींचतान और न्यायालय में लंबित याचिकाओं के कारण कानूनी पचड़े में उलझ गया। फिलहाल हाईकोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी है और आगामी सुनवाई 7 मई 2025 को निर्धारित की गई है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि टी संवर्ग में 2013 के बाद से और ई संवर्ग में 2016 के बाद से प्राचार्य पदोन्नति नहीं हुई है, जिसके चलते प्रदेश के 3500 से अधिक हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में पूर्णकालिक प्राचार्य नहीं हैं। कई वरिष्ठ शिक्षकों की सेवानिवृत्ति हो चुकी है और कुछ तो प्राचार्य बनने का सपना अधूरा लिए ही दुनिया से विदा हो गए।विभिन्न शिक्षक संवर्ग—नियमित व्याख्याता, मिडिल स्कूल प्रधान पाठक तथा व्याख्याता एल.बी.— के बीच प्राचार्य पदोन्नति को लेकर वर्षों से संघर्ष और विवाद जारी है। इन संवर्गों के द्वारा विभाग में ज्ञापन, धरना प्रदर्शन से लेकर हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई हैं। इन सभी समस्याओं की मूल वजह वर्ष 2019 के भर्ती एवं पदोन्नति नियम हैं, जिनकी कई धाराओं पर शिक्षक समुदाय में स्पष्ट सहमति नहीं है। सतीश प्रकाश सिंह ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वर्ष 2025 में नया भर्ती एवं पदोन्नति नियम तैयार किया जाए, जिसमें सभी संवर्गों के लिए स्पष्ट शर्तें—शैक्षणिक योग्यता, बी.एड./नॉन बी.एड., अनुभव की अवधि, पदोन्नति हेतु पात्रता-अपात्रता की स्थितियाँ—स्पष्ट रूप से परिभाषित हों।

साथ ही इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जानकारी दी कि आने वाले दिनों में माननीय मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, विधायकगण, सांसदगण, मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा सचिव एवं लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों से मिलकर इस मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही पूरे प्रदेश में पदोन्नति नियम बनाओ अभियान प्रारंभ किया जाएगा, ताकि शिक्षकों को न्याय मिल सके और विभाग में वर्षों से लंबित पदोन्नतियाँ शीघ्र सम्पन्न की जा सकें।

मानिकपुर कालोनी में कई पेड़ गिरे

कोरबा। कल सायं को आये तेज अंधड़ के चलते कई पेड़ उखड़कर गिर गये। पेड़ों के गिरने के कारण बिजली के तार टूट गये और कई खंभे क्षतिग्रस्त हो गये। तार टूटने के कारण मानिकपुर कालोनी में कल सायं से बिजली गुल है। इसकी जानकारी वार्ड पार्षद नारायण कुर्रे के द्वारा अधिकारियों को दी गई।

इंडस स्कूल में संचालित समर कैंप में पर्सनालिटी डेवलपमेंट एक्टिविटी का लाभ ले रहे प्रतिभागी

कोरबा। व्यक्तित्व विकास का बहुत महत्व है क्योंकि यह आपको बेहतर व्यक्ति बनने, अपने रिश्तों को मजबूत करने, और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है. यह आपको आत्मविश्वास, सहानुभूति, और अच्छे संचार कौशल विकसित करने में मदद करता है, जिससे आप व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से अधिक सफल हो सकते हैं।यह आपको अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने में मदद करता है, जो आपको बेहतर निर्णय लेने और अपनी आदतों को बदलने में सक्षम बनाता है।आपको प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने और दूसरों को समझने में मदद करता है, जिससे आपके संबंध मजबूत होते हैं।व्यक्तित्व विकास आपको खुद को बेहतर ढंग से व्यक्त करने और दूसरों को समझने में मदद करता है। कंपनियाँ सिर्फ़ कौशल नहीं देखतीं - वे व्यक्तित्व भी देखती हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण, टीमवर्क और समस्या-समाधान की क्षमताएँ आपको दूसरों से अलग बनाती हैं। सहानुभूति और धैर्य जैसे गुण मजबूत और स्थायी संबंध बनाने में मदद करते हैं। इंडस पब्लिक स्कूल दीपका में संचालित समर कैंप में विद्यार्थियों को पर्सनालिटी डेवलपमेंट का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा। समर कैंप में विद्यार्थियों को पर्सनालिटी डेवलपमेंट के विशेष गुण से प्रशिक्षित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को इस काबिल बनाया जा रहा है कि कैसे हुए स्वयं को स्थापित करें। स्वयं में आत्मविश्वास कैसे जागृत करें ।बोलने की कला एवं खुद को किसी के भी समक्ष प्रस्तुत करने के कौशल से पारंगत किया जा रहा है। विशेष प्रशिक्षक श्रद्धा कौशिक एवं टीम के द्वारा कई विधियों से विद्यार्थियों में बोलने की कला एवं स्वयं को प्रस्तुत करने की कला पर जोर दिया जा रहा है। विभिन्न प्रकार की एक्टिविटी के द्वारा व्यक्तित्व विकास के गुरु से पारंगत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संजय गुप्ता ने कहा* कि आज के परिवेश में स्वयं में आत्मविश्वास का होना हाथी आवश्यक है। यदि समाज में हम किसी भी स्तर में कमतर साबित होते हैं तो यह बहुत ही सोने की बात होती है। बोलने की कला एवं आत्मविश्वास सब में भरपूर होनी चाहिए।व्यक्तित्व की परिभाषाएं कई हैं, लेकिन सामान्यतः इसे किसी व्यक्ति के विचारों, भावनाओं और व्यवहार के अनूठे तरीके के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह व्यक्ति के जीवन के प्रति उसके अद्वितीय समायोजन को दर्शाता है, जिसमें प्रमुख गुण, रुचियां, प्रेरणाएं, मूल्य, आत्म-अवधारणा, योग्यताएं और भावनात्मक पैटर्न शामिल हैं। हमारा प्रयास निरंतर यही रहता है कि हम सभी प्रकार के कलाओं से एवं सभी प्रकार के गुणों से विद्यार्थियों को पारंगत करते रहें। अंततः जीवन का यही उद्देश्य है सीखना और सीखना और हम इस विषय पर किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं करना चाहते। आने वाले दिनों में भी विभिन्न प्रकार के कौशल से हम विद्यार्थियों को पारंगत करते रहेंगे।व्यक्तित्व किसी भी इंसान की सबसे बड़ी पहचान होती है। यह केवल हमारे कपड़ों, बोलचाल या बाहरी दिखावे तक सीमित नहीं होती है, बल्कि हमारे विचार, आदतें, व्यवहार और दृष्टिकोण हमारे व्यक्तित्व को परिभाषित करते हैं। एक सकारात्मक और प्रभावशाली व्यक्तित्व न केवल हमारे जीवन को संवारता है, बल्कि समाज में भी हमारी एक अलग पहचान बनाता है। यह भी सच ही है कि हर व्यक्ति अपने व्यक्तित्व को निखारना चाहता है, जिससे वह खुद को और बेहतर बनाना सके। बता दें कि महान विचारकों, दार्शनिकों और सफल व्यक्तियों ने अपने अनुभवों से हमें यह सिखाया है कि आत्म-विश्वास, सकारात्मकता, मेहनत और ईमानदारी से भरा व्यक्तित्व ही सबसे प्रभावशाली होता है।

कोयला कामगारों की समस्याओं पर चर्चा

कोरबा। इंटक के स्थापना दिवस पर कल गेवरा में एसईकेएमसी की बैठक हुई। जिसमें कोयला कामगारों के समस्याओं पर चर्चा करते हुए आगे की रणनीति तैयार की गई, जिसमें कहा गया कि पदाधिकारी अपने-अपने विभागों में जाकर कोयला कामगारों से मिलेंगे और उनकी समस्याओं पर हर रविवार को चर्चा की जायेगी। अध्यक्ष गोपाल यादव, कार्यवाहक अध्यक्ष विकास शुक्ला, एमपी सिंह, छंदराम राठौर, राहुल मिश्रा, व्हीके शुक्ला, युगल किशोर राठौर, नंद किशोर, रामकुमार देवांगन, राजकुमार यादव, गुलशन कुमार श्यामसुंदर जायसवाल ने भी अपने-अपने सुझाव दिये। गेवरा क्षेत्र में कोयला कामगार अपनी समस्याओं को लेकर काफी परेशान है। आने वाले दिनों में इन्ही समस्याओं को दूर किया जायेगा।

दुर्घटना का बड़ा कारण बन सकताा है यह खंभा

कोरबा। बरपाली फीडर अंतर्गत उमरेली व अमलडीहा गांव में बिजली का खंभा टूटने से बड़ी दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आंधी-तूफान के कारण गुड़ी चौक में लगा एक बिजली का खंभा दो हिस्सों में टूट गया, लेकिन विभाग की ओर से कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की गई। इस खंभे में अब भी करंट प्रवाहित हो रहा है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों की जान पर खतरा मंडरा रहा है।

उमरेली के अमरनाथ चौक ब्राह्मण मोहल्ला में महीनों से बिजली खंभा दो हिस्सों में टूटा हुआ है, जो एक पोल के सहारे टिका हुआ है। बगल में एक और खंभा लगा दिया गया है, लेकिन विद्युत वायर का स्थानांतरण नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों ने विभाग को कई बार सूचना दी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे वहां से गुजरने वाले राहगीरों और आसपास रहने वाले लोगों की जान पर खतरा बढ़ गया है।

क्षेत्रीय ठेकेदार अंतराम यादव ने बताया कि उन्होंने एस्टीमेट विभाग को सौंप दिया है, लेकिन उन्हें अभी तक कोई आदेश नहीं मिला है। क्षेत्रीय जनपद सदस्य नर्मदा देवांगन ने बताया कि खंभा 4 महीने पूर्व लगा दिया गया है, लेकिन विद्युत वायर का स्थानांतरण नहीं किया गया है। इससे संभावित दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामवासियों ने विभाग से मांग की है कि टूटे हुए खंभे को बदला जाए और विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित ढंग से संचालित किया जाए। जब तक विभाग कार्रवाई नहीं करता, तब तक वहां चेतावनी बोर्ड या बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिससे जान-माल की हानि हो सकती है।वहीं, इस मामले में विभाग के अधिकारी कुछ और ही कह रहे हैं। उनका कहना है कि ठेकेदार को एस्टीमेट बनाने के लिए कहा गया है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे स्पष्ट होता है कि विभाग और ठेकेदार के बीच समन्वय की कमी के कारण यह समस्या बनी हुई है।

अब देखना यह है कि विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और कब तक टूटे हुए खंभे को बदला जाता है। फिलहाल, स्थानीय लोगों में विभाग के प्रति काफी आक्रोश है और वे जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जिलाध्यक्ष को दिए सुझाव

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी कोरबा कार्यालय में जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी का भव्य एवं गरिमामय स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा के विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों, वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और पार्षदों ने उनसे सौजन्य मुलाकात कर संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।मंडल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग, मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा और मंडल अध्यक्ष बृजेश यादव ने गोपाल मोदी से संगठनात्मक मजबूती, बूथ स्तर तक पार्टी की सक्रियता और जनसंपर्क अभियानों को लेकर विशेष बातचीत की। इन नेताओं ने कोरबा जिले में भाजपा की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु रणनीतिक सुझाव भी दिए।अन्य प्रमुख उपस्थित कार्यकर्ताओं में शामिल थे- संजय शर्मा, प्रीतम देवांगन, समजीत सिंह, अविनाश केशरवानी, संजीव सचदेवासभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी का पुष्पगुच्छ, मालाओं और जयघोष के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया।

राष्ट्रीय बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत 5 मई से 31 मई तक जिले में वयोवृद्ध स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कोरबा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस.एन.केशरी के नेतृत्व में माह मई नगर पालिक निगम, पंचायत विभाग, समाज कल्याण विभाग, आयुष विभाग तथा राजस्व विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत जिले के शहरी तथा ग्रामीण समस्त सामुदायिक तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में विभिन्न तिथियों में विभीन्न बिमारियों की स्क्रीनिंग हेतु सवास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। माह मई में कोरबा जिले के स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपने कार्य क्षेत्र अंतर्गत समस्त 60 वर्ष से अधिक उम्र के वयोवृद्ध व्यक्तियों का शतप्रतिशत स्क्रीनिग कर बिमारियों या परेशानियों को चिन्हित करेंगे तथा उन्हें उपचार या सहायक उपकरण कि आवश्यकता होने उपचार एवं सहायक उपकरण प्रदान किया जावेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि वयोवृद्ध लोगो के स्वास्थ्य जॉच हेतु दिनांक 05 मई 2025 से 31 मई 2025 तक स्वास्थ्य परीक्षण जॉच शिविर का आयोजन किया जा रहा है इस शिविर में मुख्य रूप से वयोवृद्ध लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जॉच जैसे बीपी,शुगर, मुख जॉच, कान की जॉच तथा अन्य बिमारियों की जॉच किया जावेगा। यदि किसी वयोवृद्ध व्यक्ति को कोई विशेष बिमारी या स्वास्थ्य समस्या है तो उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लगाने वाले शिविर में विशषज्ञ चिकित्सक से जॉच करवाकर उपचार एवं निःशुल्क दवाइयां दिया जायेगा तथा पंचायत विभाग द्वारा सहायक उपकरण दिया जावेगा । आयुष विभाग द्वारा शिविर में वयोवृद्ध लोगों को योग के माध्यम से स्वस्थ्य जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया जावेगा।कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से अपील किए हैं कि वे अपने घर एवं क्षेत्र के अधिक से अधिक संख्या में वयोवृद्ध लोगों को शिविर में जॉच हेतु भेजें जिससे उनका स्वास्थ्य परीक्षण हो सके। अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के खंड चिकित्सा अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।कोरबा ब्लाक में दिनांक 05 मई सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अजगरबहार, 08 मई गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलकेजा , 14 मई बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसमा, 15 मई गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुदमुरा,19 मई सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोरकोमा, 21मई बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र श्यांग, 26 मई सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लेमरू तथा 28 मई बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पताड़ीकटघोरा ब्लाक में दिनांक, 05 मई सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाईबाजार 14 मई बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चाकाबुडा, 19 मई सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र छूरी, 21मई बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रंजना, 26 मई सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दीपका तथा 28 मई बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरापोंडी उपरोड़ा ब्लाक में दिनांक 05 मई 2025 सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जटगा, 05 मई 2025 सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पसान , 07 मई 2025 बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोरबी, 07 मई 2025 बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमान, 08मई 2025 गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपरिया, 08 मई 2025 गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोरगा, 14 मई 2025 बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरमिना , 14 मई 2025 बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लालपुर, 15 मई 2025 गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र माचाडोली, 15 मई 2025 गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ,महोरा 19 मई 2025 सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कटोरीनगोई तथा 21 मई 2025 बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोंडी उपरोड़ा

पाली ब्लाक में दिनांक 05 मई 2025 सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चैतमा, 08 मई 2025 गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरदीबाज़ार , 14 मई 2025 बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोरबी, 19 मई 2025 सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाफा, 21 मई 2025 बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उतरदा, 26 मई 2025सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सपलवा तथा 28 मई 2025 बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली,करतला ब्लाक में दिनांक 05 मई 2025 सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिकनीपाली, 07मई 2025 बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सरगबुन्दिया , 14 मई 2025 बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र फारसनी, 15 मई 2025 गुरुवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र केराकछार,19 मई 2025 सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खरवानी, 21मई 2025 बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोथारी, 26 मई 2025 सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर तथा 28 मई 2025 बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला शहरी क्षेत्र में 5,19 एवं 26 मई 2025 प्रत्येक सोमवार को यूपीएचसी बांकीमोंगरा 8, 15 एवं 22 मई 2025 को यूपीएचसी गोपालपुर प्रत्येक गुरुवार 7,14 एवं 21 मई 2025 प्रत्येक बुधवार को यूपीएचसी ढोढीपारा 7, 14 एवं 21 मई 2025 प्रत्येक बुधवार को यूपीएचसी कटाईनार में शिविर लगाए जाएगें ।

पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ बनाने किया काम मोदी ने किया सम्मानित

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में भाजपा चैतमा मंडल अध्यक्ष श्री बृजेश यादव ने अनुकरणीय कार्य करते हुए जिले में सर्वप्रथम बूथ समिति का विस्तार पूर्ण कर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री गोपाल मोदी को उसकी रिपोर्ट सौंप दी। इस संगठनात्मक सक्रियता और तत्परता के लिए श्री गोपाल मोदी ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया और उनके योगदान को सराहा।

भाजपा कार्यालय कोरबा में आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्री मोदी ने श्री यादव के कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं। बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है, और बृजेश यादव ने इसमें आदर्श प्रस्तुत किया है।चैतमा मंडल अध्यक्ष बृजेश यादव ने बताया कि यह कार्य केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरी मंडल टीम के सामूहिक परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने जिला नेतृत्व के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार जताया।इस अवसर पर पार्टी के अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी श्री यादव की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके प्रयासों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।कार्यक्रम का वातावरण भावनात्मक और प्रेरणादायक रहा, जिसमें पार्टी पहले - व्यक्ति बाद की भावना साफ झलक रही थी। भाजपा का यह संदेश पुनः स्पष्ट हुआ कि संगठन में मेहनत, ईमानदारी और समर्पण का सदैव सम्मान किया जाता है।

शॉर्ट-सर्किट से ग्रामीण के मकान में लगी आग

रिंगनी खरौद। खरौद विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रिंगनी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में एक ग्रामीण का मकान जलकर खाक हो गया। घटना लगभग साढ़े 7 बजे की है। ग्राम निवासी किशान जागड़े के मकान में अचानक आग लग गई, जो देखते ही देखते विकराल रूप ले चुकी थी।

बताया गया है कि हादसे के वक्त किशान गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। तभी उन्हें सूचना मिली कि उनके घर में आग लग गई है। सूचना मिलते ही वे दौड़कर घर पहुंचे, और पीछे के दरवाजे को तोड़कर भीतर घुसने की कोशिश की, लेकिन तब तक आग पूरे मकान को अपनी चपेट में ले चुकी थी। स्थानीय लोगों की मदद से टुल्लू पंप के माध्यम से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैल चुकी थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। आग बुझने में लगभग दो से तीन घंटे का समय लगा, तब तक पूरा मकान जल चुका था।

घटना की जानकारी ग्राम पंचायत के सरपंच हेमंत जागड़े और कोटवार दिलीप चौहान को दी गई, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। किशान जागड़े ने बताया कि घर में रखा सोफा, अलमारी, कूलर, टीवी, होमथिएटर, स्टेपलाइट, दीवान, जरूरी दस्तावेज, बच्चों की अंकसूचियां

और बैंक संबंधित कागजात पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। इसके अलावा घर में रखे 9000 रुपए नगद भी आग की भेंट चढ़ गए।

उन्होंने बताया कि इस हादसे में उन्हें करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता राशि और राहत मुहैया कराई जाए, ताकि वे फिर से अपने जीवन को पटरी पर ला सकें।

नहर में पानी की मांग को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

जांजगीर चांपा। भाजपा नेता प्रदीप सोनी के नेतृत्व कल किसानों का एक प्रतिनिधि मंडल कलेक्ट पहुंचा जहां अकलतरा एवं कोटमी सोनार क्षेत्र में पानी की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। इस क्षेत्र में नहर में पानी पर्याप्त नहीं दिए जाने के कारण किसानों का फसल नुकसान होने का अंदेशा जताया जा रहा है जिसको लेकर किसान भारी चिंतित हैं। किसानों ने कहा कि नहर में 20 मई तक पानी देने से ही फसल हो पाएगा नहीं दिए जाने की स्थिति पर फसल नुकसान होने के कारण किसानों को कर्ज में दबकर आत्महत्या को मजबूर होना पड़ेगा। इस क्षेत्र के किसान रवि फसल लगाने के लिए लोगों से कर्ज लेकर खेती कर रहे हैं जिन्हें अपने खेतों के लिए पर्याप्त पानी सिंचाई हेतु नहीं मिल पाने से वे अत्यधिक मायूस है इसलिए उन्होंने कलेक्टर एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन शॉप कर इस व्याप्त समस्या से निजात दिलाने की अपील किसानों द्वारा की गई है। ज्ञापन देने ग्राम कोटमी सोनार,अकलतरी,पिपरसत्ती के किसान शामिल हुए , जिसमें पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रदीप सोनी, जनपद सदस्य प्रतिनिधि भूखाऊ राम साहू, उप सरपंच बालू राम मनहर, पंच रहमान बेग,पंच छोटे खान,पंच रामू निर्मलकर,पुनीराम यादव, श्याम सुंदर साहू, प्रेमचंद कुर्रे, मेला राम, बिहारी लाल यादव ,श्याम सुंदर जांगड़े , सहित सैकड़ों किसान कलेक्टर कार्यालय पहुंचे ,अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर एवं सुब्रत प्रधान अनुविभागीय अधिकारी जांजगीर को ज्ञापन सौंप कर 20 मई तक नहर में पानी देते रहने का निवेदन किया।

वुशु मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में 22 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

राहौद। जिले के 22 खिलाड़ी 16वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय वुशु मार्शल आर्ट महिला-पुरुष चैंपियनशिप में भाग लेने डोंगरगढ़ रवाना हुए। यह प्रतियोगिता 4 से 8 मई तक संत विंसेंट पालोटी इंटरनेशनल स्कूल में होगी।

चयनित खिलाड़ियों में अयांस जांगड़े, लक्ष्य लदेर, अयान साहू, देवांश बनर्जी, लौकिक लदेर, आतिश साहू, कबीर साहू, मानदा आनिया, दिव्य शिखा पाल, अनन्या केडिया, प्रज्ञा श्रीवास, हिमांशु टंडन, अनुष्का साहू, अंश कंवर, कात्या केडिया, कविता खूंटे, निधि रात्रे, दिव्यांश, सिम्मी, कंचन, चंचल पटेल और चंचल यादव शामिल हैं।

टीम को रवाना करते समय भाजपा जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक अंबेश जांगड़े ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

सरपंच संघ सक्ती के अध्यक्ष चुने गए अमित राठौर

सक्ती। जनपद पंचायत सक्ती क्षेत्र के सरपंचों की बैठक में ग्राम पंचायत किरारी के सरपंच अमित राठौर को सर्वसम्मति से सरपंच संघ सक्ती का अध्यक्ष चुना गया। अमित राठौर पूर्व में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के विधायक प्रतिनिधि रह चुके हैं। बैठक में सभी सरपंचों ने उन पर भरोसा जताया। कहा, उनके नेतृत्व में पंचायतों के हित में काम होगा। समस्याओं का समाधान भी आसान होगा।

जनपद पंचायत सक्ती के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जनपद अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष बनीं राखी अशोक यादव, ग्राम पंचायत सोंठी की सरपंच। चंद्र कुमार सोनी, ग्राम पंचायत टेमर से सदस्य। सचिव बनीं कलावती संडे। कोषाध्यक्ष सरस्वती। सहसचिव विशाल जांगड़े। मीडिया प्रभारी फुलेश्वरी रुपेश। संरक्षक बनाए गए नूतन गणेश चंद्रा, गीता रतिराम सिदार, तारा देवी साहू, ज्योतिष राठौर, रवि सिदार और शिवनाथ सिदार। अध्यक्ष बनने के बाद अमित राठौर ने कहा, सभी सरपंचों ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाऊंगा। जनप्रतिनिधियों को शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई परेशानी न हो, इसके लिए सभी मिलकर काम करेंगे।

हादसे में युवक की मौत से गुस्साये लोगों ने किया 8 घंटे चक्काजाम

सक्ती। जिले के डभरा थाना क्षेत्र अंतर्गत किरारी अटल चौक के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान विवेक मालाकार के रूप में हुई है। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने 8 घंटे का चक्का जाम कर मुआवजे की मांग करते रहे हैं इस चक्का जाम में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नर-नारायण अवतार की रहस्यमयी कथा सुनाई गई

जांजगीर। जांजगीर के वार्ड नंबर 10 गट्टानी स्कूल के पीछे नूतन कॉलोनी में भागवत कथा का आयोजन किया गया। इसमें नैला सिवनी वाले पंडित अंशुमन तिवारी कथा सुना रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में महोद्भव नामक एक अत्याचारी असुर ने देवताओं, ऋषियों और यज्ञों का विनाश कर पूरे ब्रह्मांड में त्राहि-त्राहि मचा दी थी। उसे सूर्य देव से सहस्त्र कवच का वरदान प्राप्त था, जिसे भेदन करना असंभव था। साथ ही यह शर्त थी कि केवल वही उसे मार सकता है जिसने भगवान शिव के मंत्र का करोड़ों बार जप किया हो।संकट से मुक्ति पाने के लिए समस्त देवता भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे। भगवान ने विचार किया कि मंत्र जाप के लिए सबसे उत्तम स्थान हिमालय का वह पर्वतीय क्षेत्र है जहाँ मंत्रों की शक्ति दस हज़ार गुना बढ़ जाती है। अतः वे नर और नारायण दो स्वरूपों में बद्रीनाथ धाम में प्रकट हुए और कठोर तपस्या प्रारंभ की। कड़ाके की ठंड में तप करते समय भगवान का शरीर काला पड़ने लगा, तब माता लक्ष्मी बदरी वृक्ष का रूप लेकर छाया देने आ गईं। इसी कारण इस स्थल को बद्रीनाथ कहा गया, तपस्या पूर्ण होने पर भगवान ने महोद्भव का वध किया।

पूर्व माध्यमिक स्कूल कामता के प्रधान पाठक साहू हुए सेवा निवृत्त

गोधना। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कामता में प्रधान पाठक मोजी राम साहू के सेवानिवृत्ति पर एक भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि और ग्रामीणजनों ने उन्हें ससम्मान विदाई दी। समारोह में मोजी राम साहू को शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया और पुष्पमालाओं से उनका अभिनंदन किया गया।

विदाई समारोह में अपने उद्बोधन में मोजी राम साहू ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा सशक्त हथियार है जिससे दुनिया बदली जा सकती है। बच्चों का सर्वांगीण विकास ही एक शिक्षक का सर्वोच्च कर्तव्य है। उन्होंने अपने शिक्षकीय जीवन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि शिक्षक केवल ज्ञान नहीं बांटता, बल्कि समाज के लिए जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करता है।

गांव के सरपंच हेमलाल कश्यप ने उन्हें सरल, अनुशासित और आदर्श व्यक्तित्व का धनी बताया और कहा कि साहू की सेवानिवृत्ति से विद्यालय को अपूरणीय क्षति हुई है। ग्रामीण महेंद्र कश्यप, देवर्षि पटेल, जितेंद्र कश्यप आदि ने भी पुष्पहार अर्पित कर अपने भाव व्यक्त किए।

जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल में सात दिवसीय समर कैंप का समापन

जांजगीर चांपा। गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों के प्रतिभा और उनके कौशल को मनोरंजक गतिविधियों के साथ निखारने के लिए हरिराम गट्टानी मेमोरियल जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल जांजगीर में सात दिवसीय समर कैंप आयोजित किया गया। जिसका शुभारम्भ 25 अप्रैल व समापन 3 मई को विद्यालय प्रबंधक श्री हर्षित गट्टानी विद्यालय की प्रचार्या श्रीमती गुरुमीत कौर धनजल मैम के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रथम दिवस में गतिविधियों की शुरूवात गायत्री मंत्र के उच्चारण से हुआ। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती गुरमीत कौर धनजल मैम ने बच्चों को उनके अंदर छिपे प्रतिभा को उजागर करने और उनके विधि विधान शैक्षिक कुशलता और रचनात्मक कौशल को बढ़ाने के तरीकों से उन्हें अवगत कराया। समर कैंप के अंतर्गत स्कूली बच्चों के साथ-साथ अन्य विद्यालयीन बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समर कैंप नवीनतम सोच के साथ छात्र हित हेतु आयोजन किया गया। बच्चों में काफी जोश व जुनून दिखाई दे रहा था, वह समय से पहले ही प्रातः उठकर विद्यालय में उपस्थित हो जाया करते थे। अभिभावकगण ने भी समस्त निर्देशों का पालन कर अपना कर्तव्य बखूबी निभाया। गतिविधियों को कई हिस्से में बांटा गया था। जिसमें योगा, जुंबा, मेहंदी, स्पोकन इंग्लिश, फायरलेस कुकिंग, ओरिगामी कला, क्राफ्ट, क्ले मॉडलिंग, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, समाजोपयोगी उत्पादक कार्य के साथ-साथ मार्शल आर्ट व आत्मसुरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। इन गतिविधियों का आयोजन छात्रों में नवाचार की जागरूकता तथा उनकी कलात्मक, रचनात्मक सोच प्रतिभा को जगाने का प्रयास विद्यालय द्वारा किया गया। विद्यालय द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य बच्चों में शारीरिक, मानसिक सामाजिक विकास करना है, जिसमें यह कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य महोदया के मार्गदर्शन व विद्यालय प्रबंधन द्वारा किए गए उचित प्रबंध तथा समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं की कड़ी मेहनत व लगन से समर कैंप का सफल आयोजन किया गया।

ज्ञानोदय विद्यालय में कक्षा आठवीं का परीक्षाफल उत्कृष्ट रहा

जांजगीर चांपा। ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर के कक्षा आठवीं हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम का परीक्षाफल उत्कृष्ट रहा। विगत दिवस जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर - चांपा द्वारा कक्षा आठवीं बोर्ड परीक्षा-2025 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया ।

जिसमें ज्ञानोदय विद्यालय जांजगीर के छात्र - छात्राओं ने उच्चतम अंक प्राप्त कर सफलता अर्जित किया। घोषित परीक्षा फल में कक्षा आठवीं (हिंदी माध्यम) से भावना देवांगन पिता सुधीर देवांगन 91.83 प्रतिशत, मयुरी गुरनानी पिता भीम गुरनानी 91.17प्रतिशत, चित्रांशी यादव पिता चंद्रकांत यादव 89.17प्रतिशत, समृद्धि चौहान पिता संतोष चौहान 88.33प्रतिशत, अलिशा परवीन पिता अफजल ईमाम 86प्रतिशत, श्रीया राठौर पिता रामसिंह राठौर 83.83प्रतिशत, आयुष पाल पिता प्रमोद कुमार पल 82.33प्रतिशत, प्रिया यादव पिता सतीश यादव 80.33प्रतिशत, अरुण कारके पिता स्वतंत्र कारके 80प्रतिशत, अनुराग रोहिदास पिता नरेश रोहिदास 74.50प्रतिशत, सूरज यादव पिता शरद यादव 73.50प्रतिशत, खगेश निर्मलकर पिता कृष्णा निर्मलकर 73.33 प्रतिशत, घनश्याम देवांगन पिता लखन लाल देवांगन 72.50 ल, राहुल यादव पिता नरेश यादव 68प्रतिशत, पंकज यादव पिता नरेंद्र यादव 67ल अंक प्राप्त किये।

इसी क्रम में कक्षा आठवीं (अंग्रेजी माध्यम) में गुंजन पिता सोनु लाल 87.33प्रतिशत, नियति यादव पिता दीपक यादव 85.17प्रतिशत, राईबा परवीन पिता सरफराज अहमद 84.17प्रतिशत, सुप्रिया कोशले पिता शरद कोशले 83.67प्रतिशत, जान्हवी प्रधान पिता चरण प्रधान 83प्रतिशत, आस्था यादव पिता राजेश यादव 82.50 प्रतिशत, प्रतिक देवांगन पिता संतोष देवांगन 81.17प्रतिशत, गुंजन कँवर पिता हरिशचंद्र कँवर 79प्रतिशत, भावना यादव पिता दिनेश यादव 77.50प्रतिशत, काशिफ खान पिता अनवर खान 77.17प्रतिशत, सोनाक्षी साहू पिता मदन लाल साहू 77.17प्रतिशत, हर्ष कुमार निराला पिता जैतराम निराला 76.17प्रतिशत, धनंजय यादव पिता भगवत यादव 76.17प्रतिशत अंक प्राप्त किये। विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षाफल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्था के प्राचार्य डॉ सुरेश यादव जी ने इसका श्रेय विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं,पालकगण तथा छात्र-छात्राओं के मेहनत को दिया है। .

जिले में 05 मई से 31 मई तक समाधान शिविर का होगा आयोजन

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने ली प्रेसवार्ता

जांजगीर-चांपा । कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सुशासन तिहार के तीसरे चरण अंतर्गत समाधान शिविर आयोजन के संबंध में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने प्रेसवार्ता में सुशासन तिहार के तीसरे चरण अंतर्गत समाधान शिविरों के आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में सुशासन की स्थापना को लेकर लगातार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शासन-प्रशासन के हर स्तर पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शासकीय कार्यों में पारदर्शिता आए, योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन हो, और इनका लाभ उन जरूरतमंद वर्गों तक समयबद्ध ढंग से पहुंचे, जिनके लिए ये योजनाएं बनाई गई हैं। इसी कड़ी में, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप राज्य में ''सुशासन तिहार-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस तिहार का उद्देश्य -आमजनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान, शासकीय योजनाओं की समीक्षा और निगरानी, विकास कार्यों में तेजी लाना, और जनता, जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों के साथ सीधा संवाद

स्थापित करना है। सुशासन तिहार-2025 का आयोजन तीन चरणों में किया जा रहा है। पहला चरण 08 अप्रैल से 11 अप्रैल तक आयोजित हुआ। जिसमें आम जनता से उनकी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए हैं। ये आवेदन समाधान पेटी, शिविर और ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से लिए गए हैं। आवेदन प्राप्त करने के लिए समाधान पेटी की व्यवस्था जिला और विकासखण्ड मुख्यालय स्तर पर की गई थी। हाट बाजारों में भी आवेदनों का संग्रह किया गया है। जिले में मांग और शिकायतों के कुल 1 लाख 27 हजार 440 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1 लाख 12 हजार 89 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। तीसरे एवं अंतिम चरण की शुरूआत 05 मई से हो रही है, जो 30 मई तक चलेगा। इस दौरान जिले के 08 से 15 ग्राम पंचायतों के बीच एक समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। नगरीय निकायों में भी शिविर लगाए जाएंगे। जिले में कुल 43 समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों में 28 समाधान शिविर और शहरी क्षेत्रों में 15 समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। समाधान शिविरों की तारीख स्थानवार पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। तीसरे चरण के दौरान मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्रीगण, मंत्रीगण, मुख्य सचिव, प्रभारी सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी कुछ समाधान शिविरों में शामिल होंगे और आमजनता से सीधा संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री जी विकास कार्यों और योजनाओं का औचक निरीक्षण भी करेंगे और योजनाओं के जमीनी लाभ के बारे में फीडबैक लेंगे। मुख्यमंत्री जिला मुख्यालय पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे, जिसमें शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति, विभिन्न योजनाओं की प्रगति और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। आप सभी से आग्रह है कि समाधान शिविरों के प्रचार-प्रसार में सहभागी बने, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल सके।

घर अंदर घुसकर मोबाईल चोरी करने वाले 03 आरोपियों को किया गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से चोरी किए 03 नग मोबाईल जुमला कीमती 52000/ रूपये को बरामद किया गया

जांजगीर चांपा। घर के अंदर घुसकर मोबाइल चोरी करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार की है जिनके कब्जे से तीन नाग मोबाइल एवं 52000 जब तक की है। आरोपी कमलेश पटेल उम्र 32 वर्ष साकिन सोनसरी थाना पचपेड़ी जिला बिलासपुर ,

पंचराम बंजारे उम्र 42 वर्ष निवासी डोंगाकोहरौद थाना पामगढ़, बहरता पटेल निवासी डोंगाकोहरौद थाना पामगढ़ जिला जांजगीर चाम्पा है।

ज्ञात हो कि 02मई को रात्रि में प्रार्थी अजय कुमार पठारे निवासी डोंगकोहरौद थाना पामगढ़ के घर से कोई अज्ञात व्यक्ति के द्वारा घर से एक रीयल मी कंपनी का मोबाईल एवं दो नग 1द्व1श कंपनी का मोबाईल जुमला कीमती 52000/ रुपये को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया की सूचना रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपीयो के विरूद्ध थाना पामगढ़ में अपराध क्रमांक 184/25 धारा 331(4), 305, 3(5) बी एन एस कायम कर विवेचना में लिया गया ।

प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अज्ञात आरोपी एवं

चोरी गए मोबाइल इसी क्रम में छ्रस्क्क जितेंद्र खूंटे के नेतृत्व में आरोपी 1. कमलेश पटेल साकिन सोनसरी थाना पचपेड़ी 2. पंचराम बंजारे 3. बहरता पटेल वर्ष दोनो निवासी डोंगाकोहरौद थाना पामगढ़ को पकड़ा जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पुछताछ करने पर मोबाइल चोरी करना स्वीकार किये जाने से आरोपियों के कब्जे से चोरी किए 03 नग मोबाईल जुमला कीमती 52000 रूपये को बरामद किया जाकर आरोपियों को दिनांक 03.05.2025 को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

उरगा-चांपा फोरलेन सड़क का 95ल काम पूरा, जल्द शुरू होगा टोल प्लाजा

जांजगीर। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की बहुप्रतीक्षित उरगा-चांपा फोरलेन सड़क परियोजना का 95 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। कुल 38.200 किलोमीटर लंबाई की इस फोरलेन सड़क के निर्माण में कई वर्षों की देरी और विभिन्न अड़चनों के बाद अब यह मार्ग पूरी तरह आकार लेता नजर आ रहा है। परियोजना की कुल लागत लगभग 630 करोड़ रुपए है। बरपाली, कोथारी और मड़वारानी में स्थित अंडरपास का निर्माण कार्य अब पूर्ण कर लिया गया है। इन स्थानों से अब बिना किसी बाधा के वाहन चालकों की आवाजाही सुगम हो गई है।

पीईटी और प्रीपीएचटी 8 मई को होगा, एडमिट कार्ड जारी

जांजगीर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल की ओर से 8 मई को प्री इंजीनियरिंग टेस्ट और प्री फार्मेसी टेस्ट की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके लिए गुरुवार को व्यापमं की ओर से एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सोनहत जिला-कोरिया (छ.ग.)

ग्राम-कटगोड़ी रा.प्र.क्र. 202504011200012/अ-2/2024-25

// ईश्तहार //

क्रमांक/714/वाचक/2025 : आवेदक सुधीर सोनी आ. राममनोहर सोनी, जाति-सुनहार, निवासी ग्राम कटगोड़ी, जिला कोरिया छ.ग. द्वारा छ.ग. भू-राजस्व संहिता की धारा 59 (2) के तहत् ग्राम कटगोड़ी प.ह.नं.15 स्थित भूमि खसरा नं. 310/4, 310/5 रकबा क्रमशः 0.02,0.12 हे. भूमि में से खसरा नं. 310/4 काा संपूर्ण रकबा 0.02 हे. एवं 310/5 में से 5 डिसमिल का डिम्ड भूमि व्यपवर्तन व्यवसायिक प्रयोजन हेतु भूमि परिवर्तन का आवेदन मय बी-वन, खसरा नक्शा के साथ प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो दिनांक 12.05.2025 तक स्वयं अथवा अपने मान्य किसी अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि में आपत्ति प्रस्तुत न करने पर किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जाकर प्रकरण में एक पक्षिय कार्यवाही कर निर्णय लिया जावेगा।

अतः आज दिनांक 25.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सोनहत जिला-कोरिया (छग)

अनमोल वचन......

अच्छी सोच वाले व्यक्ति को उसका लक्ष्य पाने से दुनियां में कोई नहीं रोक सकता, जबकि बुरी सोच वाले व्यक्ति की कोई मदद नहीं कर सकता।

राहुल गांधी को फटकार

न्यायपालिका से अपेक्षा उदात्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिमानों के अनुरूप व्यवस्था देने की होती है, ताकि समाज उत्तरोत्तर लोकतांत्रिक होने की ओर अग्रसर हो सके। उससे अपेक्षा उसूलों की संकुचित परिभाषा करने की कोशिशों पर रोक लगाने की होती है। विनायक दामोदर सावरकर के लिए कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो दायरा तय किया है, वह परेशानी का शबब है। इसलिए नहीं कि कांग्रेस नेता ने जो टिप्पणी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान की थी, वह उचित है। उस बारे में अंतिम निर्णय तो अभी न्यायालय में विचाराधीन है। मगर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन ने जो कहा, उसका अर्थ है कि स्वतंत्रता सेनानी आलोचना से ऊपर है, भले उनके कुल योगदान के बारे में कुछ असहज करने वाले तथ्य या उनकी भूमिका के बारे में असहमत विश्लेषण मौजूद हों।

खुद सर्वोच्च न्यायालय अतीत में कई विवादास्पद किताबों, फिल्मों और बयानों के सही या गलत होने संबंधी राय जताए बिना यह व्यवस्था दे चुका है कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के व्यापक दायरे में आता है। लेकिन अब उसने जो कहा है, उससे यह दायरा संकुचित हुआ है। इससे उस विवेकहीनता को बल मिलेगा, जो देश के राजनीतिक विमर्श पर हावी होता गया है। इससे उस माहौल को तर्क मिलेगा, जिसे फैलाने में तमाम राजनेताओं ने भूमिका निभाई है। इसकी मिसाल कुछ महीने पहले देखने को मिली, जब डॉ. अंबेडकर के बारे में गृह मंत्री अमित शाह की एक साधारण-सी टिप्पणी को लेकर विपक्ष ने कई दिन तक संसद नहीं चलने दी। उस टिप्पणी से अंबेडकर का अपमान हुआ है और इसके लिए शाह को माफी मांगनी होगी, यह तर्क देने वालों में तब राहुल गांधी भी थे। इस बिंदु पर यह रेखांकित करने की जरूरत है कि मान-अपमान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मुद्दों पर नजरिया अलग-अलग पक्षों की सुविधा के अनुसार तय नहीं हो सकता। बहरहाल, यह अफसोसनाक है कि राजनीतिक रुख और सामाजिक विमर्श में तय किए जाने वाले पैमानों से अब न्यायपालिका भी प्रभावित होती दिख रही है। जबकि उससे अपेक्षा संवैधानिक एवं उदात्त अंतरराष्ट्रीय प्रतिमानों के अनुरूप व्यवस्था देने की होती है, ताकि समाज उत्तरोत्तर लोकतांत्रिक होने की ओर अग्रसर हो सके। उससे अपेक्षा उसूलों की संकुचित परिभाषा करने की कोशिशों पर रोक लगाने की होती है। इसीलिए ताजा न्यायिक टिप्पणियां निराशाजनक महसूस हुई हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका भी मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

वृष राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को आज थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता मिलने के योग बने हुए हैं। आज किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। मीडिया से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों को आज प्रमोशन से जुडी अच्छी खबर मिल सकती है। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आपकी पहले से चल रही ईएमआई आज पूरी होगी। आज फैशन डिज़ाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज ऑनलाइन बड़ा आर्डर आपको मिलेगा। आपकी पारिवारिक स्थितियां पहले से अनुकूल बनेंगी। आज संतान पक्ष से अच्छी खबर मिलेगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढ़ेगा। छात्रों की पढ़ाई में रूचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। किसी से लिया कर्ज आज आप वापस करेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयत्न सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए अच्छे रिश्ते आएंगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज वाहन लेने का अवसर आपको मिल सकता है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी आमदनी की अपेक्षा आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। आज किसी नए कार्य में आपकी रूचि बढ़ेगी। आज वाहन चलाते समय आप फोन का इस्तेमाल न करें। विद्यार्थी आज अपनी पढाई पर ध्यान देंगे। आज बिजनेस में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। पहले से चली आ रही पारिवारिक अनबन आज समाप्त होगी। आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। नया वाहन लेने का विचार आज आप अपने परिवार वालों के साथ करेंगे। स्टेशनरी का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा मुनाफा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का बड़े अधिकारीयों से संपर्क बढ़ेगा। घर के बुजुर्गों को समय से दवाई दे।

मकर राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आप अपने किसी क्लाइंट से वीडियो कॉल करके मीटिंग करेंगे। इस राशि के लोगों को आज के दिन कम्प्यूटर से रिलेटेड सामान खरीदना शुभ है। आज रिश्तेदार आपके लिए उपहार लेकर आयेगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी खास मेहमान के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। इस राशि के जो लोग अपने करियर की नई शुरुआत करने की सोच रहे है। आज उनके लिए दिन शुभ है। आज पूरा दिन आप ऊर्जा से भरे रहेंगे, आय के नए स्रोत भी आपको मिलेंगे। आपके बच्चे किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, जिससे आपको उन पर गर्व होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर के बड़ों से आगे बढ़ने की राय मिलेगी, जो आगे चलकर आपके काम आयेगी। किसी राइटर की बुक आज पब्लिश होगी, जिसके लिए उसको अवार्ड मिलेगा। आज आपका व्यापार अच्छा चलेगा, साथ ही कुछ और शुरू करने का मन बनाएंगे। सरकारी नौकरी के लिए प्रयासरत लोगों को जल्द बेहतर समाचार मिलेगा।

पाक प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका का ढुलमुल रवैया

//योगेंद्र योगी//

अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है।

बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है।

अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं।

भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमेरिका करता रहा है। अमेरिका ने भारत के विरोध को नजरांदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमेरिका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोग और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आई का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा का अहम सहयोगी अमेरिका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे लकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाए भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं अमरीकी से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमेरिका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमेरिका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया। भारत ने चाबहार पोर्ट को लेकर ईरान के साथ समझौता किया है। इससे भारत को ओमान की खाड़ी में स्थित इस रणनीतिक पोर्ट का संचालन अधिकार 10 साल के लिए मिल गया है। लेकिन इस समझौते को अमेरिका ने नापसंद कर दिया। अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी जारी की। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका को दो टूक जवाब दे दिया और कहा कि अमेरिका अपनी सोच बड़ी करे, क्योंकि इस योजना से पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। वैसे ये पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। बल्कि, 50 साल पहले जब भारत ने पोकरण में पहला परमाणु परीक्षण किया था, तब अमेरिका ने 30 सालों के लिए भारत पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इन प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर तरक्की का रास्ता जारी रखा। भारत सैन्य प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो गया। इसके बाद व्यापारी अमरीका को लगने लगा कि इन प्रतिबंधों से अमेरिका को ही घाटा हो रहा है, तब जाकर इनको हटाया गया। सही मायने में अमेरिका भारत को बराबरी का दर्जा देने से गुरेज करता रहा है। अमेरिका का प्रयास यही रहा है कि भारत को पाकिस्तान के समकक्ष रखा जाए। भारत ने हर क्षेत्र में अपनी तरक्की से अमेरिका के ऐसे प्रयासों को हमेशा झटका दिया है। ऐसे में अमेरिका से कभी भी उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह पहलगाम में हुई आतंकी घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान को दंडित करेगा। भारत को अपने बलबूते ही ऐसी वारदातों से निपटने और पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए दूरगामी नीति अपनानी होगी।

अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों ने एक बार फिर से भारत को फंसाना शुरू कर दिया

//संतोष कुमार पाठक//

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पूरा भारत गुस्से में है। हर सच्चा हिंदुस्तानी पाकिस्तान से बदला लेना चाहता है, आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहता है। भारत सरकार पर पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।आतंकवाद को लेकर पश्चिमी देशों का रवैया हमेशा से डबल स्टैंडर्ड वाला रहा है। अमेरिका पश्चिमी देशों के इस डबल स्टैंडर्ड यानी दोहरे मापदंड की अगुवाई करता रहा है।

अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 को हुए भयानक आतंकी हमले के बाद दुनिया को ऐसा लगा कि शायद अब अमेरिका की सोच बदल जाएगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अमेरिका ने अपनी धरती पर हुए आतंकवादी हमले का बदला अफगानिस्तान और पाकिस्तान में घुस कर लिया। लेकिन जब भी उसके चहेते देश पाकिस्तान द्वारा पाले-पोसे गए आतंकवादियों ने भारत को दहलाने का काम किया। तब-तब अमेरिका आगे आकर मीठी-मीठी जुबान में भारत को शांति का पाठ पढ़ाता नजर आया।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पूरा भारत गुस्से में है। हर सच्चा हिंदुस्तानी पाकिस्तान से बदला लेना चाहता है, आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहता है। भारत सरकार पर पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। लेकिन पाकिस्तान को आतंकवाद का ट्रेनिंग सेंटर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला अमेरिका एक बार फिर से भारत को फंसाने के लिए मैदान में उतर गया है। अपने चिर-परिचित पुराने स्टाइल में अमेरिका ने पहले पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की, भारत का साथ देने का भरोसा दिया लेकिन कुछ ही दिन बाद पाकिस्तान की भाषा बोलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर विवाद को 1,500 साल पुराना विवाद बता दिया। ट्रंप यहीं नहीं रुके बल्कि उन्होंने आतंकवाद से पीड़ित देश भारत और आतंकवाद को फैलाने वाले देश पाकिस्तान को एक ही पायदान पर रखते हुए दोनों ही देशों को अपना करीबी बता दिया। भारत का स्टैंड बिल्कुल साफ है कि आतंकवाद फैलाने वाले देश (पाकिस्तान) से तब तक बातचीत करने का कोई फायदा नहीं है, जब तक वह आतंकवाद को फैलाना बंद न कर दें। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बावजूद अब अमेरिका भारत को आतंकवादी देश पाकिस्तान से बातचीत करने की सलाह दे रहा है।

भारत के सख्त तेवरों को देखते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान को बचाने के लिए शांति का राग अलापना शुरू कर दिया और अपने इस षड्यंत्र में अन्य पश्चिमी देशों की भूमिका भी तय कर दी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने इस मिशन को कामयाब बनाने के लिए बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर से फोन पर बात की। बातचीत के दौरान,अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत और पाकिस्तान दोनों से तनाव कम करने का आग्रह किया। भारत के विदेश मंत्री और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, दोनों से अलग-अलग बातचीत करने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि, अमेरिका आतंकवाद से लड़ाई में भारत का समर्थन करता है लेकिन उसी बयान में पाकिस्तान से पहलगाम हमले की जांच में सहयोग करने का आग्रह किए जाने की बात भी कही गई है। मतलब, अमेरिका सीधे-सीधे यह कहना चाह रहा है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने की बजाय भारत को उसके साथ मिलकर जांच करनी चाहिए। पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को जब आतंकवादी भारत के निर्दोष नागरिकों पर गोलियां बरसा रहे थे। उस समय अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर ही थे। इस आतंकी हमले के कारण, भारत दौरे के दौरान उनके कई कार्यक्रमों को रद्द भी करना पड़ा था। भारत यात्रा के दौरान ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने आगरा से प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोन पर बातचीत की और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। वेंस ने जानमाल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए वादा किया था कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। लेकिन अमेरिका पहुंचते ही उनके भी सुर बदल गए।अमेरिकी उपराष्टपति ने गुरुवार को भारत को नसीहत देते हुए यह कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत युद्ध नहीं भड़काएगा।

भारत को नसीहत देते हुए जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा कि उन्हें आशा है कि भारत इस आतंकवादी हमले का जवाब इस तरह से दे जिससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष न हो और वे आशा करते हैं कि पाकिस्तान, जिस हद तक वो जिम्मेदार है, भारत के साथ सहयोग करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कभी-कभी उनके क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों का पता लगाया जाए और उनसे निपटा जाए। गुरुवार को ही अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ ने भी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से फोन पर बातचीत कर शांति का पाठ पढ़ाने का प्रयास किया। अमेरिका से आने वाले हर बयान का संदेश बिल्कुल साफ नजर आ रहा है कि भारत पाकिस्तान पर हमला न करे और पहलगाम आतंकी हमले की पाकिस्तान के साथ मिलकर सयुंक्त जांच करे। दरअसल, अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है और इस अभियान में अपने मित्र देशों का भी भरपूर सहयोग ले रहा है। अमेरिका से पहले, ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने रविवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार से बात की थी। बातचीत के दौरान, ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने भी भारत को शांति और बातचीत का पाठ पढ़ाने का प्रयास किया था।

अमेरिका क्यों हर बार पाकिस्तान को बचाने के लिए भारत को शांति का पाठ पढ़ाने के लिए मैदान में उतर जाता है, यह पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा हाल ही में किए गए खुलासे से समझा जा सकता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में यह बड़ा खुलासा किया था कि पाकिस्तान पिछले तीन दशकों से आतंकवाद फैलाने जैसा गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए कर रहा है। ऐसे में अब भारत की वर्तमान सरकार के सामने एक साथ कई तरह की चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। पाकिस्तान को सबक भी सिखाना है, आतंकवादियों को खत्म भी करना है और इसके साथ ही आतंकवाद पर दोहरा मापदंड रखने वाले अमेरिका जैसे देशों की चालबाजियों और दबाव से भी बचना है।

तस्वीरों की दुनिया

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक औपचारिक स्वागत समारोह के दौरान अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको अपनी पत्नी के साथ, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ।

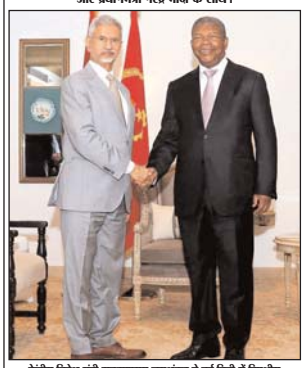

केंद्रीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक से पहले अंगोला गणराज्य के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको से मुलाकात की।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने लैराई देवी मंदिर में भगदड़ स्थल का दौरा किया, जहां उत्तरी गोवा के शिरगाओ गांव में लैराई जात्रा उत्सव के दौरान कई भक्तों की जान चली गई थी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के मंत्री आशीष सूद दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान विभिन्न स्कूलों के अभिभावकों के साथ बातचीत करते हुए।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश में अंतर-राज्य बस टर्मिनल (आईएसबीटी) से चारधाम यात्रा 2025 के लिए एक बस को हरी झंडी दिखाई।

जबलपुर में मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह के दौरान अपनी डिग्री प्राप्त करते हुए एक छात्रा।

कोलकाता में चिलचिलाती गर्मी में सड़क पर गिरा घोड़ा, बेरहम मालिक बरसाता रहा थप्पड़

कोलकाता, 04 मई [एजेंसी]।

चिलचिलाती गर्मी में कोलकाता की एक व्यस्त सड़क पर हाल में बग्घी खींचते एक कमजोर घोड़ा के अचानक थककर गिरने और बेरहम मालिक द्वारा उसे थप्पड़ मारकर उठाने की कोशिश का एक दर्दनाक वीडियो सामने आने के बाद हंगामा मच गया। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद पशु प्रेमियों से लेकर सेलिब्रिटी और आम लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने इसे पशु क्रूरता बताते हुए कार्रवाई की मांग की। प्रसारित वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि घोड़ा गर्मी और थकावट के कारण सड़क पर अचानक गिर पड़ता है। उसकी हालत इतनी खराब थी कि वो उठ नहीं पा रहा था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि उसके मालिक ने उसे सहारा देने की बजाय उसे थप्पड़ मारता है, घसीटता है और जबरदस्ती उठाने की कोशिश करता है।यह पूरी घटना किसी ने कैमरे में कैद कर ली और जैसे ही पेटा इंडिया ने इस वीडियो को साझा किया, लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए घोड़े के लिए न्याय की मांग की। बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट ने भी इस घटना पर गुस्सा जाहिर किया और उन्होंने मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी को एक्स पर टैग करते हुए लिखा कि यह बहुत दुखद है। कोलकाता की सड़क पर गर्मी और थकान से घोड़ा गिर गया और फिर भी उसे आगे चलने के लिए मजबूर किया गया। कृपया ऐसी बग्घी सवारी पर रोक लगाएं और ई-बग्घी को बढ़ावा दें। वहीं पेटा इंडिया की शिकायत के बाद कोलकाता पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई की और घोड़े के मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया।कोलकाता पुलिस ने एक्स पर बताया कि इस घटना को लेकर भवानीपुर थाने में 24 अप्रैल को केस नंबर 90/25 दर्ज किया गया है।

यह कार्रवाई पेटा की शिकायत पर की गई है और इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराएं लगाई गई हैं।आरोपित के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने यह भी बताया कि घायल घोड़े को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है और उसका इलाज चल रहा है। पेटा इंडिया ने कोलकाता पुलिस के इस कदम की सराहना की है कि उन्होंने समय पर प्राथमिकी दर्ज की। पेटा ने कहा कि घोड़ा पूरी तरह थका हुआ था और गर्मी से परेशान होकर गिर गया। किसी भी जानवर को ऐसी तकलीफ नहीं मिलनी चाहिए।इधर, इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या आज के समय में भी जानवरों से ऐसे काम कराना ठीक है। क्या बग्घी सवारी जैसी पुरानी परंपराएं अब बंद नहीं होनी चाहिए। अब देशभर के लोग जानना चाहते हैं कि क्या सरकार इस पर सख्त कदम उठाएगी या यह मामला कुछ समय बाद ठंडा पड़ जाएगा।

ओडिशा में पुल निर्माण के दौरान बड़ा हादसा कंक्रीट का बड़ा स्लैब गिरा, 3 की मौत

कटक, 04 मई [एजेंसी]।

ओडिशा के कटक शहर के खाननगर में एक निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार को यहां काठजोड़ी नदी पर एक पुल के निर्माण कार्य के दौरान कंक्रीट का स्लैब गिरने से एक इंजीनियर और दो श्रमिकों सहित तीन लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि इस घटना में दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।कटक के डीसीपी खिलारी ऋषिकेश ज्ञानदेव ने बताया कि स्थानीय लोग और पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और श्रमिकों को बचाया। उन्होंने बताया कि श्रमिकों और साइट इंजीनियर पर गिरे विशाल कंक्रीट स्लैब को उठाते समय क्रेन में खराबी आ गई। डीसीपी ने बताया कि दुर्घटना का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है।मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर है और आगे की जांच जारी है। माझी ने इस घटना में हुई मौतों पर दुख जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 15 लाख रुपये की अनुकंपा सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने घटना की जांच और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के लिए मुफ्त चिकित्सा देखभाल के भी आदेश दिए हैं। इस घटना के बाद कटक के मेयर और विपक्षी बीजेडी नेता सुभाष सिंह ने एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में घायल श्रमिकों से मुलाकात की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह दुर्घटना सरकार की ओर से घोर लापरवाही का नतीजा है।

मुर्शिदाबाद जैसी हिंसा रोकने के लिए केंद्र सरकार को..., बंगाल के राज्यपाल ने केंद्र कोदिया सुझाव

कोलकाता, 04 मई [एजेंसी]।

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा के मद्देनजर बंगाल के राज्यपाल डॉ सीवी आनंद बोस ने इस तरह की

घटना राज्य के अन्य जिलों में फैलने की आशंका जताते हुए केंद्र को आगाह किया है। सुझाव दिया कि केंद्र न केवल मौजूदा स्थिति पर अंकुश लगाने के लिए बल्कि कानून के शासन में लोगों का विश्वास जगाने के लिए संवैधानिक विकल्पों पर विचार करे। राजभवन सूत्रों के अनुसार, मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक दंगों पर केंद्र सरकार को भेजी गई अपनी विशेष रिपोर्ट में राज्यपाल ने तीन सिफारिशें की हैं। इसमें जब राज्य मशीनरी प्रभावी ढंग से काम करने में विफल हो जाती है, तो केंद्र सरकार को कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सशक्त बनाने के लिए एक व्यापक कानून तैयार करना।

जांच आयोग अधिनियम, 1952 के तहत एक जांच आयोग नियुक्त करना जो कथित चूक और चूक की घटनाओं की जांच करे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाएगा। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चौकियां स्थापित करने का सुझाव दिया गया है। मालूम हो कि 11-12 अप्रैल को मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हिंसा के बाद राज्यपाल ने 18 और 19 अप्रैल को हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा भी किया था। उन्होंने हिंसा से प्रभावित लोगों से बातचीत की और उनकी मांगों को सुना। राज्यपाल ने रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि 22 अप्रैल तक राज्य प्रशासन द्वारा कुल 138 एफआईआर दर्ज की गई हैं और हिंसा के लिए गिरफ्तारियों की कुल संख्या 300 को पार कर गई है।

भारतीय सेना का बढ़ेगी ताकत, अगली पीढ़ी की बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली खरीदेगी सरकार

नईदिल्ली, 04 मई [एजेंसी]।

सरकार ने अगली पीढ़ी की बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली या वीएसएचओ आरएडीएस (एनजी) खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो दिन और रात दोनों समय तथा बर्फीले स्थानों सहित सभी मौसम की परिस्थितियों में हवाई लक्ष्यों को भेदने में सक्षम होगी। रक्षा मंत्रालय ने खरीद के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) जारी किया है, जिसे शनिवार को भारतीय सेना की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। आरएफपी में मंत्रालय ने कहा कि वह भारतीय खरीद श्रेणी के तहत 48 लांचर, 48 नाइट-विजन साइट्स, 85 मिसाइलें और बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली का एक मिसाइल परीक्षण स्टेशन खरीदना चाहता है। परिचालन विशेषता शीर्षक के अंतर्गत कहा गया है कि उभरते हवाई खतरे से निपटने के लिए सेना को बहुत कम दूरी की वायु रक्षा मैनपोर्टेबल मिसाइल प्रणाली की आवश्यकता है। मैनपोर्टेबल का मतलब है एक ऐसी वस्तु, जिसे एक व्यक्ति द्वारा लंबी दूरी तक ले जाया जा सकता है।

राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई पाकिस्तानी रेंजर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर कड़ा शिकंजा कसा है। इस बीच आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि राजस्थान में भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ ने एक पाकिस्तानी रेंजर को पकड़ा है।राजस्थान के श्रीगंगानगर में पाकिस्तान बॉर्डर पर पाक रेंजर को पकड़ा है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी रेंजर को बल के राजस्थान फ्रंटियर ने हिरासत में ले लिया है, उससे पूछताछ की जा रही है। उसके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुए हैं। गृहमंत्रालय को पाक रेंजर के पकड़े जाने की जानकारी दी गई है।यह घटनाक्रम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा बल के एक जवान को रेंजर्स द्वारा पकड़े जाने के कुछ दिनों के बाद हुआ है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

सेना को गोला-बारूद देने वाली ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में कर्मचारियों की छुट्टी रद

जबलपुर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की आयुध निर्माणियां हाई अलर्ट पर हैं। इस बीच आर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया (ओएफके) में अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। हालांकि, निर्माणी प्रशासन का कहना है कि उत्पादन लक्ष्य समय पर पूरा हो सके, इसलिए छुट्टी पर रोक लगाई गई है।बता दें कि ह्रस्य को इस साल गोला-बारूद बनाने का एक बड़ा टारगेट मिला है लेकिन, अप्रैल के महीने में फैक्ट्री उतना काम नहीं कर पाई जितना उसने सोचा था। इसलिए फैक्ट्री के बड़े अधिकारियों ने यह फैसला लिया है कि सभी कर्मचारियों को बिना छुट्टी के काम करना होगा।वैसे एमएलआइ की सभी इकाईयों में कर्मचारियों की छुट्टियां रद करने के आदेश जारी हुए हैं। हालांकि आपात स्थिति में सिर्फ दो दिन की छुट्टी दिए जाने का निर्णय लिया गया है। जनसंपर्क अधिकारी अविनाश शंकर का कहना है कि जो कर्मचारी पहले से छुट्टी पर गए हुए हैं, उनकी छुट्टियां निरस्त नहीं की हैं।

सिंगापुर में पीएम वोंग की पार्टी को प्रचंड बहुमत, 97 संसदीय सीटों में 87 सीटें जीतीं

सिंगापुर। सिंगापुर में लंबे समय से सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने शनिवार को हुए आम चुनाव में 97 संसदीय सीटों में से 87 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया है और अब यह नई सरकार बनाएगी। यह पीएपी की लगातार 14वें चुनाव में निर्णायक जीत है। 2020 के चुनाव में इसने 83 सीटें जीती थीं।प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और पीएपी ने वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं पर अमेरिकी व्यापार शुल्क के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच आम चुनाव में नया जनादेश मांगा था। पीएपी ने स्वतंत्रता के बाद से ही इस देश पर शासन किया है। अब इसे अगले पांच वर्षों के लिए फिर जनादेश मिल गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि सिंगापुर के लोगों ने भविष्य की राजनीति का फैसला करने के लिए 1,240 मतदान केंद्रों पर 97 संसदीय सीटों में से 92 के लिए अपने वोट डाले। देश में 27,58,846 पंजीकृत मतदाता हैं।1948 में पहले आम चुनाव के बाद से यह सिंगापुर का 19वां चुनाव है और 1965 में स्वतंत्रता के बाद से 14वां चुनाव है। स्वतंत्रता के बाद से पीएपी ने सिंगापुर पर शासन किया है। 52 वर्षीय वोंग ने पिछले साल मई में ली ह्सियन लूंग के दो दशक बाद पद छोड़ने के बाद नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। पीएपी ने सभी 92 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे, जबकि इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी वर्कर्स पार्टी ने आठ निर्वाचन क्षेत्रों में 26 सीटों पर चुनाव लड़ा।सिंगापुर के प्रधानमंत्री के रूप में वोंग का यह पहला चुनाव था, जो इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के कारण कठिन चुनौतियों का सामना कर रहा है।

128 वर्षीय योग गुरु शिवानंद बाबा का निधन सरकार ने पद्मश्री से किया था सम्मानित

वाराणसी। पद्मश्री से सम्मानित योग गुरु शिवानंद का शनिवार को निधन हो गया। वह 129 वर्ष के थे। उन्हें 2022 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। दुर्गाकुंड के कबीर नगर में रहते थे।सांस लेने में दिक्कत होने पर बीएचयू के सर सुंदर लाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान रात 8.30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी अंत्येष्टि रविवार को उनकी भक्तों के आने के बाद होगी।दुर्गाकुंड के कबीरनगर में स्वामी शिवानंद का आश्रम है। इस आयु में भी वह निरंतर योग अभ्यास करते थे। अपने स्वस्थ्य रहने के पीछे वह संयमित दिनचर्या, योग-प्राणायाम और घरेलू औषधियों का सेवन बताते थे।वे स्वयं बताते थे कि उनका जन्म आठ अगस्त 1896 को वर्तमान बांग्लादेश के सिलहट जिले के हरीपुर गांव में हुआ था। स्वामी शिवानंद प्रतिदिन भोर तीन बजे जागते और स्नानादि के बाद बांग्ला में अनुवादित श्रीमद्भगवदगीता का पाठ करते थे।बताते हैं वह कभी बीमार नहीं पड़े। वर्ष 2019 में कोलकाता व चेन्नई के अपोलो अस्पताल में जब उनकी जांच कराई गई थी तो उन्हें पूरी तरह स्वस्थ्य पाया गया था।स्वामी जी के ही अनुसार योगासन उनके लंबे जीवन का कारण है। बताते थे कि वह प्रतिदिन सर्वांगासन करते हैं। इसे तीन मिनट करने के बाद एक मिनट का शवासन भी करते।

बांग्लादेशियों की घुसपैठ का दिल्ली से चेन्नई तक कनेक्शन, सरगना सहित 44 गिरफ्तार

नईदिल्ली, 04 मई [एजेंसी]।

दिल्ली पुलिस ने चेन्नई, बेंगलुरु समेत देश के अन्य शहरों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पहले दिल्ली में सरगना चांद मियां समेत छह बांग्लादेशी घुसपैठियों व पांच भारतीय एजेंटों को गिरफ्तार किया गया, बाद में चांद मियां की निशानदेही पर चेन्नई पुलिस ने भी 33 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है।सभी के दस्तावेज दिल्ली में ही तैयार हुए थे। पुलिस को उम्मीद है कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के बाद 100 से अधिक बांग्लादेशी घुसपैठियों और भारतीय एजेंट पकड़े जा सकते हैं। भारतीय एजेंट बांग्लादेशियों को घुसपैठ कराने से लेकर फर्जी दस्तावेज पर उनके आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज बनवाने, शरण देने, रोजगार मुहैया कराने का काम करते थे।बंगाल व मेघालय के रास्ते एजेंट घुसपैठ कराने के बाद उन्हें भारतीय दस्तावेज मुहैया कराकर शहरों में मजदूरी कराते थे। इसके पहले दिल्ली पुलिस चार अन्य एमिग्रेशन रैकेट का भंडाफोड़ कर 40 से अधिक बांग्लादेशी व भारतीय एजेंटों को गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि इंस्पेक्टर विष्णु दत्त के नेतृत्व में एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड

को सूचना मिली कि असलम उर्फ मासूम नामक व्यक्ति तीन दिन पहले बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत आया है और पहाड़ी नंबर दो, तैमूर नगर में रह रहा है। पता चला कि असलम अन्य एजेंटों के साथ मिलकर जाली दस्तावेज का उपयोग कर बांग्लादेशियों घुसपैठियों को भारत में बसाने में शामिल है। असलम को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि वह नोआखली, बांग्लादेश का रहने वाला है। उसके पास से एक आधार कार्ड और एक बांग्लादेशी पहचान पत्र मिला। उसके खिलाफ न्यू फ्रेंड्स कालोनी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया।

जांच के बाद कलटली, असम से छह बांग्लादेशी घुसपैठियों और पांच भारतीय एजेंट को गिरफ्तार किया गया। बांग्लादेशी घुसपैठियों से फर्जी भारतीय पहचान पत्र पर तैयार किए गए 11 आधार कार्ड, पहचान प्रमाण वाले बांग्लादेशी दस्तावेज, एक कंप्यूटर, चार कंप्यूटर हार्ड डिस्क, एक लैपटॉप, कलर प्रिंटर, नेत्र और फिंगर प्रिंट स्कैनर, जाली जन्म और जाति प्रमाण पत्र, सिम कार्ड, नौ मोबाइल फोन समेत 19170 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक चांद मियां की निशानदेही पर चेन्नई में भी 33 बांग्लादेशी घुसपैठिये पकड़े गए हैं। पुलिस पूछताछ में पता चला कि चांद मियां घुसपैठियों से बार्डर पार करवाने के एवज में 25 हजार रुपये लेता था। वह एक बार में आठ से 10 बांग्लादेशियों को बार्डर पार करवाता था। दिल्ली में फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनके भारतीय होने का ठप्पा लगा दिया जाता था।वह पिछले करीब 12 साल से घुसपैठ करा रहा था। चांद मियां जिन लोगों को बॉर्डर पार कराता था, लुकमान उन्हें गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से दिल्ली या देश के अन्य हिस्सों में भेजने में मदद करता था।

अमृतसर से ट्रेन में भेजा जा रहा था 1283 किलो गोमांस वडोदरा स्टेशन पर पुलिस ने किया जब्त, केस दर्ज

वडोदरा। मुंबई जाने वाली एक एक्सप्रेस ट्रेन के पार्सल वैन में ले जाया जा रहा 1,283 किलोग्राम गोमांस गुजरात पुलिस ने वडोदरा रेलवे स्टेशन पर जब्त किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।बुधवार शाम गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस में हुई जब्ती के संबंध में दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पश्चिमी रेलवे की पुलिस अधीक्षक (एसपी) सरोज कुमारी ने बताया कि अमृतसर से लाए जा रहे 1,283 किलोग्राम मांस से भरे 16 पार्सल को ट्रेन से जब्त कर लिया गया।फोरेंसिक प्रयोगशाला द्वारा मांस के गोमांस होने की पुष्टि किए जाने के बाद शुक्रवार शाम दो व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि पार्सल भेजने वाले विजय सिंह और प्राप्तकर्ता जाफर शब्बीर के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

न गोला-बारूद, न हौसला... युद्ध हुआ तो भारत के सामने 4 दिन भी टिक नहीं पाएगा पाकिस्तान

नई दिल्ली। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए अगर दोनों देशों में युद्ध की नौबत आती है तो पड़ोसी देश भारत के सामने चार दिन भी टिक

नहीं पाएगा। इसकी वजह यह मानी जा रही है कि पाकिस्तान की सेना गोला-बारूद की भारी कमी से जूझ रही है।इसके परिणामस्वरूप उसकी युद्ध क्षमताएं केवल चार दिन तक सीमित हो गई हैं। इस कमी का कारण यूक्रेन के साथ पाकिस्तान के हाल ही में किए गए हथियारों के सौदे हैं जिसके तहत इसने युद्धरत यूक्रेन को हथियार निर्यात किए। सूत्रों का कहना है कि सेना को गोला-बारूद आपूर्ति करने वाली पाकिस्तान आयुध फैक्टरी को बढ़ती वैश्विक मांग और पुरानी उत्पादन सुविधाओं के बीच आपूर्ति को फिर से पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। नतीजतन, पाकिस्तान के गोला-बारूद भंडार केवल 96 घंटे के उच्च-तीव्रता वाले संघर्ष को झेल सकते हैं। इससे उसकी युद्ध क्षमताएं सीमित हो जाती है। संख्या एवं मात्रा की दृष्टि से भारत की श्रेष्ठता का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान की सैन्य क्षमता तोपखाने और बख्तरबंद इकाइयों पर टिकी है। अपने एम109 हावित्जर के लिए पर्याप्त 155 मिमी के गोले या अपने बीएम-21 सिस्टम के लिए 122 मिमी रॉकेट के बिना भारतीय आक्रमण को विफल करने की पाकिस्तानी सेना की क्षमता गंभीर रूप से कमजोर है।

बिना एक भी गोली चलाए बिलबिला रहा पाकिस्तान, इंपोर्ट और डाक सेवाओं पर लगी रोक, शिप के भारत आने पर भी बैन

नईदिल्ली, 04 मई [एजेंसी]।

बिना एक भी गोली चलाए भारत ने पाकिस्तान को बिलबिलाने पर विवश कर दिया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौते को रोकने से शुरू किए गए रणनीतिक कदमों के तहत शनिवार को पाकिस्तान पर तिहरा प्रहार किया है। पहले कदम के तहत पड़ोसी देश से हर तरह का आयात बंद कर दिया है। दूसरे कदम के तहत पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार की डाक और पार्सल सेवाओं का आना-जाना रोक दिया है। तीसरे निर्णय के तहत पाकिस्तान के जहाज अब भारतीय बंदरगाहों पर प्रवेश नहीं कर पाएंगे। भारत की ओर से शनिवार को उठाए कदम ऐसे वक्त आए हैं जब पाकिस्तान की तरफ से लगातार सैन्य तैयारियों को तेज किए जाने की सूचना आ रही है। शनिवार को पाकिस्तान ने एक मिसाइल परीक्षण भी

किया है जिसे मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति में उकसाने वाली गतिविधि बताया जा रहा है। विदेश कारोबार महानिदेशक (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी करके पाकिस्तान निर्मित या वहां से आनी वाले किसी भी तरह के वस्तुओं के आयात को तत्काल रोक दिया है। किसी अन्य देश के माध्यम से आने वाले पाकिस्तानी सामानों का आयात भी रोक दिया गया है। अधिसूचना में कहा गया है- पाकिस्तान से परोक्ष या प्रत्यक्ष तौर पर किया जाने वाला कोई भी आयात, चाहे वह मुक्त आयात की सूची में हो या सशर्त आयात की सूची में, उसे तत्काल रोका जा रहा है। यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और लोक नीति को देखते हुए उठाया गया है। भारत ने पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान आयात पर दो सौ प्रतिशत का शुल्क लगा दिया था। भारत पाकिस्तान से सिर्फ पांच लाख डालर के सामान का आयात करता है जो अब घट कर शून्य रह जाएगा। वैसे ये भी बता दें कि अप्रैल-जनवरी 2024-25 के दौरान भारत का पाकिस्तान के साथ व्यापार 447.65 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि आयात केवल 0.42 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।यह भी उल्लेखनीय तथ्य है कि वर्ष 2012-13 तक भारत व पाकिस्तान आपसी कारोबार को बढ़ाने की बात कर रहे थे। तब भारत सरकार ने पाकिस्तानी उत्पादों के आयात पर लगे प्रतिबंध को समाप्त करने की बात कही थी। पाकिस्तान सरकार ने भी ऐसा एलान किया था। आतंकवाद को पाकिस्तानी मदद की वजह से अब दोनों देशों के बीच कारोबार घटकर जीरो हो जाएगा।उधर, डाक विभाग ने एक पंक्ति की सूचना में बताया है कि भारत सरकार ने यह फैसला किया है कि पाकिस्तान से जहाज या किसी दूसरे माध्यम से आने वाली सारी चिट्ठियों और पार्सलों को रोका जा रहा है। दूरसंचार के दौर में पत्रों का आदान-प्रदान तो काफी कम हो गया था लेकिन दोनों देशों के बीच पार्सलों का आदान-प्रदान निश्चित तौर पर सीमित मात्रा में होता था।इसमें खासतौर पर दोनों देशों में रहने वाले परिजन या मित्र एक दूसरे को तोहफा वगैरह भेजते थे। भारत ने जब अगस्त, 2019 में कश्मीर से अनुच्छेद-370 समाप्त करने का फैसला किया था तब पाकिस्तान ने भारत से आने वाले पत्रों व पार्सलों पर रोक लगा दी थी। हालांकि कुछ ही महीने बाद पत्रों पर लगी रोक हटा ली गई थी।

कूटनीति के जरिये तनाव कम करें भारत-पाकिस्तान, रूस ने किया शांति का आह्वान

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से बात की। उन्होंने शिमला समझौते और लाहौर घोषणापत्र के तहत कूटनीति के जरिये दोनों पड़ोसियों के बीच मतभेदों का समाधान करने का आह्वान किया।रूसी दूतावास ने कहा कि लावरोव ने जयशंकर से फोन पर बातचीत की। उन्होंने रूस-भारत सहयोग पर चर्चा की। साथ ही पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान संबंधों में आई गिरावट पर भी बातचीत हुई। लावरोव ने 1972 के शिमला समझौते और 1999 के लाहौर घोषणापत्र के प्रविधानों के अनुसार द्विपक्षीय आधार पर राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से मतभेदों को सुलझाने का आह्वान किया। दोनों मंत्रियों ने उच्च स्तरों पर संपर्क बनाए रखने पर भी चर्चा की। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, रूस के विदेश मंत्री लावरोव के साथ पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा की।

गर्मियों के दौरान महिलाएं इस तरह से करें आंखों का मेकअप, नहीं होगा खराब

गर्मियों में मेकअप करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर जब बात आंखों के मेकअप की हो। पसीने और उमस के कारण आईलाइनर और मस्कारा अक्सर फैल जाते हैं और आंखों का मेकअप बिगड़ जाता है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स और तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर महिलाएं गर्मियों के दौरान भी बेहतरीन आई मेकअप कर सकती हैं और उनकी आंखों का मेकअप पूरे दिन सही बना रहेगा।

प्राइमर का करें इस्तेमाल

आंखों का प्राइमर लगाना बहुत जरूरी है क्योंकि यह आईशैडो और आईलाइनर को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है।

प्राइमर आंखों की त्वचा को समतल बनाता है और एक बेस तैयार करता है, जिससे आईशैडो आसानी से लग सके।

इसके अलावा यह पसीने और नमी से भी बचाता है। प्राइमर लगाने से आपका आई मेकअप पूरे दिन सही बना रहता है और आपको बार-बार ठीक करने की जरूरत नहीं पड़ती।

हल्के रंगों का करें चयन

गर्मियों में हल्के रंगों का आईशैडो चुनना सबसे अच्छा होता है।

हल्के गुलाबी, नीला या हरा जैसे रंग आपकी आंखों पर बहुत अच्छे लगते हैं और उन्हें ताजगी भरा लुक देते हैं।

इन रंगों से आपकी आंखें चमकदार दिखेंगी और चेहरे पर एक निखार आएगा। हल्के रंगों का चयन करने से आपका आई मेकअप भी कम भारी लगेगा और आप पूरे दिन आरामदायक महसूस करेंगी।

इसके अलावा ये रंग गर्मियों की उमस को भी कम दिखाते हैं।

पानी से बचाने वाले आईलाइनर और मस्कारा लगाएं

पानी से बचाने वाले आईलाइनर और मस्कारा आपके आई मेकअप को पसीने और नमी से बचाते हैं।

ये लंबे समय तक टिके रहते हैं और फैलते नहीं। पानी से बचाने वाले आईलाइनर का इस्तेमाल करने से आपकी आंखें पूरे दिन एकदम सही दिखती हैं।

इसी तरह पानी से बचाने वाला मस्कारा आपकी पलकों को भी गीलेपन से बचाता है और उन्हें झड़ने से रोकता है।

इस प्रकार ये दोनों उत्पाद आई मेकअप को लंबे समय तक सही बनाए रखते हैं।

हल्का ब्लश लगाएं

आंखों का मेकअप पूरा करने के लिए हल्का ब्लश लगाना न भूलें। यह आपके चेहरे को ताजगी भरा लुक देगा और आपकी आंखों का मेकअप भी अच्छा दिखेगा।

आप हल्का गुलाबी या पीच रंग का ब्लश चुन सकती हैं, जो गर्मियों के मौसम के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इससे आपका चेहरा निखरा हुआ लगेगा और आपको पूरे दिन आरामदायक महसूस होगा। इस प्रकार हल्का ब्लश लगाने से आपका पूरा लुक और भी आकर्षक और ताजगी भरा दिखेगा।

सेटिंग स्प्रे का करें इस्तेमाल

आंखों का मेकअप सेट करने के लिए सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें। यह आपके आई मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करेगा और उसे खराब होने से रोकेगा।

सेटिंग स्प्रे लगाने से आपका आई मेकअप तरोताजा दिखेगा और आपको बार-बार ठीक करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस प्रकार इन सरल टिप्स और तरीकों को अपनाकर महिलाएं गर्मियों के दौरान भी बेहतरीन आई मेकअप कर सकती हैं।

केसरी वीर अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा ने बताया कि रामलीला ने उनके अभिनय सफर को कैसे प्रभावित किया

बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा केसरी वीर से अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहीं आकांक्षा शर्मा ने बताया कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण अभिनीत संजय लीला भंसाली की रामलीला ने एक अभिनेता के रूप में उनके सफर को कैसे प्रभावित किया।

आकांक्षा ने बताया, मैं एक बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आती हूं, जिसका कोई भी फिल्मी कनेक्शन नहीं है। मैं 12वीं कक्षा में थी और अपनी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी, तभी मैंने रामलीला देखी - और इसने सब कुछ बदल दिया। तभी मुझे एहसास हुआ कि मैं एक अभिनेत्री बनना चाहती हूं। मैं इस सपने के साथ बड़ी नहीं हुई, लेकिन फिल्म देखने से मेरे अंदर कुछ जग गया। और अब, मैं अपनी पहली फिल्म के साथ यहां हूं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे राजल का किरदार निभाने का मौका मिला - एक ऐसा किरदार जिसकी लड़ाई सिर्फ युद्ध के मैदान में नहीं थी, बल्कि अंदर भी थी।

केसरी वीर पवित्र सोमनाथ मंदिर को हमलावर ताकतों से बचाने के लिए हुए महायुद्ध की कहानी है। अनुभवी योद्धा वेगड़ा जी (सुनील शेट्टी) अपनी मातृभूमि के अडिग रक्षक के रूप में खड़े हैं, बहादुर युवा राजपूत राजकुमार हमीरजी गोहिल (सूरज पंचोली) के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं, और दुर्जेय ज़फ़र खान (विवेक ओबेरॉय) से लोहा ले रहे हैं।

युद्ध के बीच में, हमीरजी को सुंदर राजल (आकांशा शर्मा) के साथ अपने उभरते रोमांस में सांत्वना मिलती है।

चौहान स्टूडियोज के बैनर तले कनु चौहान द्वारा निर्मित, केसरी वीर 16 मई, 2025 को दुनिया भर के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है।

इसके बाद आकांक्षा तेरा यार हूं मैं में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ अमन इंद्र कुमार भी होंगे। मिलाप जावेरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म

दोस्ती और रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

उनकी लाइनअप में एक अनटाइटल्ड एक्शन-कॉमेडी भी शामिल है, जिसे जावेरी ही डायरेक्ट करेंगे। अपनी अगली फिल्म को लेकर उत्साहित आकांक्षा ने कहा कि वह अपने सपने को जीने और अद्भुत टीमों के साथ इस तरह के रोमांचक प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए बेहद आभारी हैं।

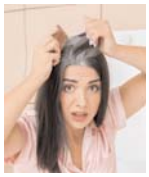

सफेद बालों को छिपाने में मदद करेगी ये देसी चाय, हेयर कलर की नहीं पड़ेगी जरूरत

कम उम्र से ही बालों का सफेद होना तनाव और शरीर में कई जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी की ओर इशारा करता है। ऐसे में आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में कुछ बदलाव करके इसको रिवर्स करती हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी चाय के बारे में बताने जा रहे हैं।

कई बार आइने में देखते हुए बालों के बीच कुछ सफेद बाल नजर आते हैं, हमारे चेहरे पर शिकन आ जाती है। खासकर यदि 30 साल की उम्र के बाद सफेद बाल दिखाई देने लगें, तो यह काफी खराब लगता है। अक्सर हम इन सफेद बालों को छिपाने का तरीका ढूंढते हैं और बालों को सफेद करने के लिए हेयर कलर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप सफेद बालों को छिपाने की बजाय इनको कम करने पर ध्यान देना चाहिए।

बता दें कि कम उम्र से ही बालों का सफेद होना तनाव और शरीर में कई जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी की ओर इशारा करता है। ऐसे में आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में कुछ बदलाव करके इसको रिवर्स करती हैं। आज ऐसी चाय के बारे में बताने जा रहे हैं, जो सफेद बालों की समस्या को कम कर सकती है।

देसी चाय की सामग्री,गुड़हल के फूलों का पाउडर- 1 टेबलस्पून, मेथी के बीज- आधा टेबलस्पून, हल्दी- आधा टीस्पून, सेंधा नमक- आधा टीस्पून,नींबू- कुछ बूंदे, सबसे पहले एक जार में हल्दी, मेथी के बीज, सेंधा नमक और गुड़हल के फूलों का पाउडर डाल लें। इसके बाद इन सारी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लें। अब इसमें आधा चम्मच पाउडर लेकर इसमें 1 गिलास पानी मिलाएं। फिर नींबू के रस की कुछ बूंदे डालें और रोजाना इसका सेवन करें। बता दें कि मेथी के बीज हेयर फॉलिकल्स को मजबूती देने का काम करता है और यह बालों के समय से पहले सफेद होने से रोकता है।मेथी के बीजों में विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन के पाया जाता है। साथ ही इसमें पोटैशियम, आयरन और फोलिक एसिड भी भरपूर मात्रा में होता है।

अधोमुखासन: हर दिन करें ये योगासन, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मिलेंगे कई लाभ

अधोमुखासन एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को स्थिरता का पाठ पढ़ाता है। यह आसन न केवल शारीरिक संतुलन को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है।

इसके नियमित अभ्यास से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और मानसिक शांति मिलती है।

अधोमुखासन करने का तरीका

सबसे पहले जमीन पर पैरों को फैलाकर बैठ जाएं।

अब दोनों हथेलियों को जमीन पर रखें और माथे को भी जमीन पर टिका दें।

इस स्थिति में शरीर का भार सिर और हथेलियों पर डालकर पीठ को ऊपर की ओर उठाएं। इस दौरान पैरों को सीधा रखें और एड़ियों को जमीन से सटाने की कोशिश करें।

कुछ देर इसी अवस्था में बने रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

अभ्यास के दौरान बरतें ये सावधानियां

अगर आपको गर्दन, पीठ या कंधे में कोई परेशानी है तो इस आसन को न करें।

गर्भवती महिलाओं को भी यह आसन नहीं करना चाहिए।

ज्यादा रक्तचाप, सिरदर्द, पेट की समस्या या दिल की बीमारी वाले लोगों को भी इस आसन से बचना चाहिए।

अगर आप किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं तो इस आसन का अभ्यास डॉक्टर की सलाह के बाद ही करें।

अभ्यास के दौरान शरीर को अधिक न खींचे और जल्दबाजी भी न करें।

अधोमुखासन के नियमित अभ्यास से मिलने वाले फायदे

अधोमुखासन से रीढ़ की हड्डी, कूल्हे और कंधों में खिंचाव आता है। यह आसन शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

अधोमुखासन से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और मानसिक शांति मिलती है।

यह आसन पाचन क्रिया को भी सुधारता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर का संतुलन बेहतर होता है।

अधोमुखासन से रक्त संचार भी बेहतर होता है। यह आसन तनाव से राहत दिलाने में भी सहायक है।

अधोमुखासन के अभ्यास से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

अधोमुखासन करते समय सांसों पर ध्यान दें और गहरी सांस लें।

अगर आप इस स्थिति में लंबे समय तक नहीं रह पा रहे हैं तो धीरे-धीरे समय बढ़ाएं।

दिन में दो बार अधोमुखासन का अभ्यास करें ताकि इसके फायदे मिल सकें।

इस आसन को करते समय शरीर में किसी प्रकार का दर्द महसूस होने पर इसे करना बंद कर दें और डॉक्टर से संपर्क करें।

संदीपा धर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया हॉट फोटोशूट, बालकनी में दिए किलर पोज

अभिनेत्री संदीपा धर एक बार फिर अपने स्टनिंग लुक्स को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है जिसमें वह बालकनी में बेहद ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज़ में पोज़ देती नजर आ रही हैं. इस फोटोशूट में संदीपा ने क्रोशिया स्टाइल की व्हाइट ड्रेस पहनी है, जो उनके फिगर को खूबसूरती से हाईलाइट कर रही है. खुले बाल, न्यूड मेकअप और परफेक्ट लाइटिंग ने उनके लुक को और भी ज्यादा आकर्षक बना दिया है.

इस ग्लैमरस अवतार में संदीपा ने 'जब वे कहते हैं कि आकस्मिक, लेकिन आप समझ गए कि सेवा' कैप्शन के साथ तस्वीरें शेयर की हैं. इस फोटोशूट को रचित वोरा ने शूट किया है, मेकअप किया है एलिशा बी ने और स्टाइलिंग श्रु बिड़ला ने की है.

संदीपा की इन तस्वीरों पर फैंस दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं. किसी ने उन्हें 'गॉर्जियस' कहा तो किसी ने उनके लुक को 'फायर' बताया. 24 घंटे के भीतर इस पोस्ट को 74,000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. एक्टिंग के साथ-साथ संदीपा अपने बोल्ड और फैशनेबल लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं. यह फोटोशूट इस बात का एक और बेहतरीन उदाहरण है कि वह कैसे हर लुक को आत्मविश्वास के साथ कैरी करती हैं.

रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे

सूखे आंवला पाउडर और जीरे का पानी का नियमित रूप से सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं आंवला पाउडर और जीरे का पानी

आंवला पाउडर - 1 चम्मच सूखा

जीरा पाउडर - 1 चम्मच भुना हुआ

पानी - 1 गिलास गुनगुना

इन सभी चीजों को पानी में मिलाकर उबाल लें और फिर सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी।

इम्युनिटी

आंवला विटामिन सी का मुख्य सोर्स है। यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि

इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

वेट लॉस

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फैट कम करता है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन भूख कम करने के साथ ही शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने में सहायक है।

डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी

आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिवर को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है। इसलिए रोजाना सुबह खाली पेट इसको पीने से बॉडी डिटॉक्स होता है और शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है। वहीं यह पिगमेंटेशन और मुंहासों को भी दूर करता है। वहीं जीरे का पानी भी बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह बालों का झड़ना कम करने के साथ उनको मजबूत बनाता है।

डायबिटीज होगी कंट्रोल

दरअसल, आंवले में क्रोमियम नामक मिनरल पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। तो वहीं जीरा भी इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है।

लाइटवेट लहंगे में पाएं परफेक? ट ब्राइडल लुक

शब्द सामर्थ्य -008

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 007 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

कांग्रेस ने भरी हुंकार - संविधान रहेगा, तानाशाही नहीं!

नगर पंचायत पटना में संविधान बचाओ रैली निकाली गई, काफी संख्या में कार्यकर्ता हुए शामिल

कोरिया बैकुंठपुर। नगर पंचायत पटना में जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह रैली अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 40 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य देशवासियों को संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना है।

रैली की शुरुआत नगर पंचायत पटना कार्यालय से हुई, जोश और उत्साह के साथ मस्जिद चौक तक निकाली गई। समापन स्थल पर आमसभा आयोजित थी जहां पर कांग्रेस पदाधिकारियों व वक्ताओं ने संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय, और नागरिक अधिकारों पर जोर देते हुए जनसमूह को संबोधित किया। कांग्रेस नेताओं ने सभा में कहा कि संविधान बचाओ अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों की आवाज़ उठाना और संविधान के मूल्यों की पुन: पुष्टि करना है। उन्होंने वंचित और गरीब वर्गों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया। कांग्रेस पार्टी भरोसा दिलाती हैं कि हमेशा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्षरत रहेगी।

वाहन चालकों हेतु तृतीय नेत्र शिविर का आयोजन डकाईपारा पटना हाईवे पर हुआ सफल आयोजन

कोरिया बैकुण्ठपुर। कोरिया जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन और परिवहन विभाग द्वारा एक विशेष पहल के तहत वाहन चालकों के लिए तृतीय नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर 03 मई 2025 को डकाईपारा पटना हाईवे पर आयोजित किया गया, जो सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला।

जिला परिवहन विभाग द्वारा संपूर्ण कोरिया जिले में 01 मई से 22 मई 2025 तक यह अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत वाहन चालकों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण किया जा रहा है। जरूरतमंद चालकों को मौके पर ही चश्मे और आवश्यक दवाएं भी प्रदान की जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है। जिला प्रशासन और परिवहन विभाग की इस अनूठी पहल की स्थानीय वाहन चालकों द्वारा सराहना की जा रही है। कार्यक्रम के सफल संचालन में स्थानीय समाजसेवी संस्था 'आर्थो वेलफेयर फाउंडेशन' और उसकी टीम की भूमिका उल्लेखनीय रही। प्रमुख रूप से नेत्र चिकित्सक डॉ. मोहसीन रजा के साथ संस्था के सदस्य मनोज कुमार मंडल, राहुल सिंह, तरुण सिंह, कु. नंदनी, आकांक्षा गिद्ध, सरिता कुर्रे, माही पंकज व दीपा एक्का ने शिविर के संचालन में सक्रिय योगदान दिया। यह संपूर्ण कार्यक्रम जिला परिवहन अधिकारी के मार्गदर्शन व दिशानिर्देश में संचालित किया जा रहा है।

सुशासन तिहार के तहत सोनहत में वर्षों पुराना अतिक्रमण हटाया गया, अटल डिजिटल केंद्र की हुई शुरुआत

कोरिया बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के निर्देशानुसार राज्यभर में संचालित सुशासन तिहार के तहत जिला कोरिया में राजस्व विभाग, सोनहत द्वारा ग्राम सोनहत में वर्षों से अतिक्रमण की चपेट में रहे पुराने पंचायत सचिवालय भवन को खाली कराया गया। यह कार्रवाई ग्रामवासियों और ग्राम पंचायत सोनहत के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर की गई।

पुराना सचिवालय भवन ग्राम पंचायत की संपत्ति है, जिस पर लंबे समय से अनाधिकृत कब्जा था। सुशासन तिहार के दौरान इस संबंध में प्राप्त शिकायतों और मांगों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भवन को कब्जा मुक्त कराया। इस भवन में अब छत्तीसगढ़ शासन की अभिनव पहल अटल डिजिटल केंद्र की स्थापना कर दी गई है। यह केंद्र ग्रामीणों के लिए एक डिजिटल सेवा केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जहां उन्हें बैंकिंग सेवाएं, राजस्व दस्तावेजों की प्रतिलिपि, विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित ऑनलाइन आवेदन और डिजिटल समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा। ग्रामवासियों ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह केंद्र गांव में तकनीकी और शासकीय सेवाओं की पहुंच को आसान बनाएगा, जिससे उन्हें अब दूर शहरों तक नहीं जाना पड़ेगा। साथ ही पंचायत संपत्ति को पुन: उपयोग में लाना गांव के लिए एक सकारात्मक बदलाव है। यह कार्रवाई न केवल प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि सुशासन तिहार के उद्देश्यों—पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित समाधान —को भी सफलतापूर्वक साकार करती है।

धारदार चाकू के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि देवार डेरा बंजारी नगर रावांभाठा में एक व्यक्ति हाथ में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित कर रहा है कि तत्काल खमतराई पुलिस टीम द्वारा देवार डेरा बंजारी नगर पहुंचकर आरोपी लाला देवार पिता गोवर्धन देवार उम्र 23 साल निवासी आरटीओ कार्यालय के पीछे देवार डेरा बंजारी नगर रावाभांठा, थाना खमतराई जिला रायपुर के कब्जे से एक धारदार चाकू जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के विरूद्ध थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 390/25 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। इसी प्रकार खमतराई पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि खमतराई बाजार के अंदर एक व्यक्ति हाथ में धारदार चाकू लेकर आम लोगों को आतंकित कर रहा है कि तत्काल खमतराई पुलिस टीम द्वारा खमतराई बाजार के अंदर पहुंचकर आरोपी प्रशांत डोमरे पिता इन्द्रकुमार डोमरे उम्र-24 वर्ष निवासी चुलडी थाना किरोडा जिला गोंदिया हाल पता खमतराई रायपुर के कब्जे से एक धारदार चाकू जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 391/25 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

कलेक्टर त्रिपाठी ने ली विभागीय अधिकारियों की समाधान शिविर पूर्व बैठक

49 हजार से अधिक आवेदनों का हो चुका है निराकरण

कोरिया बैकुंठपुर। राज्य सरकार के सुशासन तिहार-2025 के अंतर्गत कोरिया जिला में समाधान शिविरों का तृतीय चरण 5 मई से प्रारंभ होने जा रहा है। इससे पहले आज कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कलेक्टरेट सभा कक्ष में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिविरों के माध्यम से आम जनता को समयबद्ध तरीके से समस्याओं का समाधान मिलेगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी मिलेगा। बैठक में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री के मंशानुरूप और पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता के साथ सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का समाधान करें। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन है। सुशासन तिहार इसी उद्देश्य को साकार करने का माध्यम है।

जिले में सुशासन तिहार का पहला चरण 8 से 11 अप्रैल के बीच आयोजित हुआ, जिसमें जनता से 63,532 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 62,446 आवेदन मांग आधारित और 1,086 शिकायतों से संबंधित थे। अब-तक 49,182 आवेदनों यानी 77 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। तृतीय चरण के अंतर्गत 5 मई से 31 मई तक जिले में 17 समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसमें नगर पालिका परिषद बैकुण्ठपुर, नगर पंचायत शिवपुर-चरचा और पटना में एक-एक शिविर लगेगा। जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर में 10 व सोनहत जनपद पंचायत क्षेत्र में 4 शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में आवेदकों को उनके आवेदन की स्थिति की जानकारी दी जाएगी, साथ ही योजनाओं की जानकारी एवं हितग्राही सामग्रियों का वितरण भी किया जाएगा।

शिविरों में प्रधानमंत्री आवास योजना, पेयजल, सड़क, बिजली, उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, पेंशन, आय, जाति/निवास प्रमाण-पत्र, वनाधिकार पट्टा, शिक्षा, कृषि व स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं प्रमुख रहेंगी। कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रीगण, सांसद, विधायक, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी भी इन शिविरों में शामिल होकर जनता से सीधा संवाद करेंगे एवं विकास कार्यों का निरीक्षण कर फीडबैक लेंगे।

मुख्यमंत्री जिला स्तर पर समीक्षा बैठक भी लेंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि वे अधिक संख्या में शिविरों में भाग लें और शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें ताकि अंतिम व्यक्ति तक इसकी जानकारी पहुंचे। बैठक में अपर कलेक्टर अरुण मरकाम, डी.डी. मंडावी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे।

ब्राह्मण समाज ने धूमधाम से मनाया परशुराम जन्मोत्सव

नवनिर्मित परशुराम चौक का महापौर ने किया लोकार्पण समारोह में सेवानिवृत्त विप्रजनों और मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

चिरमिरी। ब्राह्मण समाज चिरमिरी द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव इस वर्ष धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह विधिवत पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठानों से हुई, जिसमें समाज के विप्रजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ पूरे वातावरण को भक्तिमय बना गया।

मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर नवनिर्मित भगवान परशुराम चौक का उद्घाटन फीता काटकर किया, जिससे उपस्थित जनसमुदाय में उत्साह की लहर दौड़ गई। ब्राह्मण समाज चिरमिरी के अध्यक्ष हरिकांत अग्निहोत्री ने स्वागत भाषण में कहा कि समाज को सशक्त बनाने में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सभी सदस्यों का योगदान है। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी कारणवश इस आयोजन में शामिल नहीं हो पाए, उनका भी योगदान समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण है। महामंत्री धर्मेंद्र त्रिपाठी ने अपने संबोधन में बताया कि महर्षि भवन तथा अन्य कक्षों का निर्माण वर्तमान विधायक एवं मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल तथा पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल के निरंतर प्रयासों से संभव हुआ है। साथ ही उन्होंने मंच से महापौर से यह आग्रह किया कि महर्षि भवन के सामने एक शेड का निर्माण कराया जाए। महापौर रामनरेश राय ने समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें प्रारंभ से ही ब्राह्मण समाज का सहयोग और आशीर्वाद प्राप्त होता रहा है। उन्होंने कहा, मैं आज जिस मुकाम पर पहुंचा हूं, उसमें ब्राह्मण समाज का बड़ा योगदान है। साथ ही उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि ब्राह्मण समाज द्वारा जो मांग रखी गई है, उसे पूरा करने के लिए वे अथक प्रयास करेंगे। प्रोफेसर भगवत प्रसाद दुबे ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज को न केवल स्वयं धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ी को भी धार्मिक शिक्षा देने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कराना आवश्यक है और समाज को जहां भी अन्याय दिखाई दे, वहां सक्रिय होकर आवाज उठानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में सेवानिवृत्त हुए वरिष्ठ विप्रजनों एवं समाज के मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया। उपाध्यक्ष वाचस्पति दुबे ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी विप्रजनों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संरक्षक डॉ. डी.के. उपाध्याय, महेश मिश्रा, छोटेलाल पाराशर, आर.पी. शुक्ला, विदुर शर्मा, जितेंद्र मिश्रा, नारायणी शक्ति अध्यक्ष श्रीमती मिथिलेश पाराशर, अरुणोदय पांडेय, विजय दुबे सहित बड़ी संख्या में विप्रजन उपस्थित रहे।

अंतरराज्य पुल के पास स्वागत द्वार का निर्माण कार्य अधुरा

रामानुजगंज। लोक निर्माण विभाग के द्वारा अंतरराज्य पुल के समीप द्वारा स्वागत द्वारा लगवाया गया है। जिसमें मुस्कुराइए आप छत्तीसगढ़ में हैं लिखा गया है परंतु यह स्वागत द्वार मुस्कुराने की वजह ही छीन रहा है क्योंकि इस स्वागत द्वार के अधूरे निर्माण को वर्षों के बाद भी पूरा नहीं किया गया है स्वागत द्वार में अंबिकापुर, बिलासपुर,रायपुर,रायगढ़ कोरबा की दूरी ही आज तक नहीं लिखी गई है इसमें सिर्फ बैढन 147 किलोमीटर दिख रहा है। कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा अधूरे स्वागत द्वार को पूरा करने की मांग लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से की गई परंतु आज तक स्वागत द्वारा के निर्माण का कार्य पूरा नहीं किया गया। जब कोई लंबी दूरी की यात्रा करता है तो सबसे अधिक निगाह गंतव्य तक जाने वाले रास्ते में संबंधित शहर दूरी पर रहता है। खासकर जब एक राज्य से लोग दूसरे राज्य में जाते हैं तो एक राज्य से दूसरे राज्य की सीमा में प्रवेश करते ही सबसे पहले निगाह दूसरे राज्य के बड़े शहरों की दूरी को खोजती है। रामानुजगंज में आरटीओ नाका के समीप लोक निर्माण विभाग के द्वारा करीब 10 लाख रुपए लागत से स्वागत द्वारा का निर्माण करवाया गया था। स्वागत द्वार के लिए पूरी राशि तो निकाल दी गई परंतु अधूरा निर्माण को आज तक पूरा नहीं किया गया। जिस कारण से अधूरा निर्माण स्वागत द्वार की खूबसूरती को ग्रहण लगा ही रहा है वहीं लोगों को छत्तीसगढ़ के बड़े शहरों की दूरी भी इंगित नहीं कर पा रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्वागत द्वारा के निर्माण को पूर्ण करने की मांग की गई है।

नशीली टैबलेट बेचते दो आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। भिलाई की छावनी थाना पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए नशीली टैबलेट बेचने वाले दो आरोपिों को गिरफ्तार किया है तथा उनके पास से कुल 1320 नग नशील टेबलेट जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट कें के तहत जेल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 03/05/2025 को सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति मंगल पान ठेला बैकुण्ठ धाम के पास कैम्प 02 भिलाई में अपने पास में रखे सफेद रंग कैरी बेग में नशीली टेबलेट गोली रखे है बेचने हेतु ग्राहक तलाश कर रहे है । इस सूचना पर तत्काल पुलिस टीम उक्त स्थान पर घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किया गया । जहाँ पर दो व्यक्ति मिले जिनसे नाम पता पूछने पर अपना नाम रवि सिंह एवं मौसीन खान उर्फ राजा बताये, जिनके कब्जे से 600 नग अल्फोजोलम टेबलेट कीमती लगभग 8500 रूपये, 720 नग प्रोक्सिएम एसपा टेबलेट कीमती लगभग 9000 रूपये कुल कीमती 17,500 रूपये विधिवत बरामद किया गया । आरोपियों को थाना छावनी में धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

छत्तीसगढ़-झारखंड बॉर्डर पर नक्सलियों का तांडव, मुंशी को मारी 3 गोली, जेसीबी व ग्रेडर मशीन में लगाई आग

बलरामपुर/कुसमी। छत्तीसगढ़-झारखंड बॉर्डर पर बुधवार की रात 10-12 हथियारबंद नक्सलियों ने करीब 2 घंटे तक तांडव मचाया। झारखंड सीमा क्षेत्र स्थित ग्राम ओरसापाठ में नक्सलियों ने सडक़ निर्माण कार्य में लगे मुंशी की गोली मारकर हत्या कर दी। मुंशी को 3 गोलियां मारी गईं। इसके पूर्व हत्या स्थल से डेढ़ किलोमीटर दूर खड़ी जेसीबी व ग्रेडर मशीन को आग के हवाले कर दिया। तांडव मचाने के बाद नक्सली झारखंड के जंगल में फरार हो गए। सूचना पर सुबह झारखंड के महुआडांड व बलरामपुर जिले की सामरी पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने लोगों से पूछताछ के बाद जांच शुरु कर दी है।

ग्राम ओरसा क्षेत्र में 10 की संख्या में पहुंचे नकाबपोश माओवादियों ने 2 अलग-अलग जगहों पर करीब 2 घंटे तक जमकर उत्पात मचाया। नक्सली पहले ओरसा पाठ से अंबाकोना तक बन रही सडक़ पर पहुंचे। यहां सडक़ निर्माण स्थल पर खड़े वाहन से डीजल निकाला। इसके बाद जेसीबी और ग्रेडर मशीन में आग लगा दी। इससे जेसीबी पूरी तरह जल गई। ग्रेडर को भी नुकसान हुआ। फिर नक्सली करीब डेढ़ किलोमीटर दूर ओरसा गांव पहुंचे। यहां पथ निर्माण विभाग की 50 करोड़ की लागत से मेंढ़ारी से ओरसापाठ तक बन रही सडक़ में मुंशी का काम कर रहे अयूब खान को नक्सलियों ने घर से उठाया। इसके बाद कुछ दूरी पर ले जाकर पहले उसकी पिटाई की। फिर 3 गोली मारकर हत्या कर दी। झारखंड के ओरसा गांव के उपमुखिया वकील खान ने बताया कि नक्सली 10 की संख्या में थे। सभी हथियारों से लैस थे। उपमुखिया ने बताया कि नक्सलियों ने पहले उसे भी पकड़ा। इसके बाद ठेकेदार के बारे में पूछने लगे। नक्सली मोबाइल भी छीन लिए। सूचना पर गुरुवार की सुबह लातेहार एसपी कुमार गौरव भी घटना स्थल पर पहुंचे। वहीं घटना स्थल सामरी पाठ थाना से करीब होने के कारण सामरी पाठ पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। बताया जा रहा है कि लेवी को लेकर इस वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना छत्तीसगढ़-झारखंड सीमावर्ती क्षेत्र में होने से दोनों राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। सामरी पाठ क्षेत्र में भी सडक़ निर्माण से लेकर बाक्साइट खदान चल रहे हैं, काफी समय से इस क्षेत्र में कोई बड़ी वारदात नहीं हुई है, लेकिन इस घटना से क्षेत्र में भय व्याप्त हो गया है।

ठेकेदार का है ये कहना

ठेकेदार संजय जायसवाल ने कहा कि महुआडांड़ निवासी रमानाथ यादव पूर्व में माओवादी संगठन में सक्रिय रहा है। वह कई बार जेल जा चुका है, उसके द्वारा बार बार धमकी दी जा रही है। माओवादी संगठन से भी चिट्ठी आया था, उसे पुलिया सहित अन्य काम देने को कहा जा रहा है, लेवी की भी मांग की जा रही हैं । हमारे द्वारा एक माह पूर्व भी इसकी लिखित शिकायत महुआडांड़ थाने में की गई थी।

खरीफ सीजन के लिए किसानों को बांटा जायेगा 100 करोड़ का ऋण

40 फीसदी वस्तु और 60 फीसदी नगद का अनुपात

कोरबा। औद्योगिक जिले कोरबा में खेती का पर्याप्त रकबा मौजूद है। अनाज उत्पादक वर्ग की कुल संख्या 1 लाख के आसपास है जो धान के अलावा दूसरी फसले उत्पादित करने में विश्वास रखती है। परंपरागत के साथ उन्नत खेती की तरफ कृषक समुदाय लगातार बढ़ रहा है। सरकार की नीति के अंतर्गत जिला सहकारी केंद्रीय बैंक इस वर्ष किसानों को 100 करोड रुपए का ऋण वितरित करने की तैयारी में है। जबकि पिछले वर्ष यानी 2024 25 में दिए गए कुल ऋण की 95 फ़ीसदी वसूली की जा चुकी है।

खेती-बाड़ी से जुड़े कृषक वर्ग को आगे बढ़ाने और उनकी जरूरत को पूरा करने के लिए अलग-अलग प्लेटफार्म पर सुविधा उपलब्ध कराई जा रहे हैं। किसानों को इस बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है। 0त्न अत्यंत कम दर पर उन्हें वित्तीय सहायता देने के प्रावधान सहकारी बैंक ने बनाए हैं। इसी सिलसिले में खरीफ सीजन वर्ष 2025 के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित कोरबा ने विभिन्न समितियां में पंजीकृत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से 100 करोड रुपए का ऋण देना निश्चित किया है। इसके लिए शुरुआती तौर पर समितियों के स्तर पर केसीसी फॉर्म भराए जा रहे हैं। खबर के अनुसार इस सहायता में किसान 40 फ़ीसदी वस्तु जिसमें खाद बीज और उपकरण शामिल है ले सकते हैं जबकि उन्हें 60 फीसदी नगद राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

बताया गया कि पिछले वर्ष 2024 में जिला सहकारी बैंक के द्वारा किसानों को दी गई वित्तीय सहायता के अनुक्रम में अब तक 95त्न वसूली हो चुकी है। इस मामले में बहुत ज्यादा झंझट अब नहीं बची है इसलिए वित्तीय सहायता देने को लेकर बैंक प्रबंधन उत्साहित है।

धान खरीदी से होती है कटौती

डिजिटल क्रांति आज हर क्षेत्र में है तो इससे सहकारी बैंक भला कैसे बच सकता है। उसने भी किसानों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता की वसूली के लिए ऑनलाइन सिस्टम बना रखा है। इससे किसानों की परेशानी भी कम होती है और प्रबंधन की भी। बताया गया कि मौजूदा वर्ष बैंक के द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता को धान खरीदी के सीजन में अनाज उत्पादक को भुगतानयोग्य राशि से ऑनलाइन काट लिया जाता है। ऐसे में ना तो बार-बार तकादे का पचडा रहता और ना ही फालतू का टेंशन।

कृषि क्षेत्र में आया परिवर्तन

कोरबा जिले में खेती-बाड़ी के साथ आजीविका संचालित करने और आर्थिक मजबूती को लेकर कृषक वर्ग लगातार काम कर रहा है। बहुत कम मामलों में खेती के लिए परंपरागत साधन यानी बैलगाड़ी, हल का उपयोग हो रहा है। समय के साथ कदमताल करते हुए किसानों ने सरकारी योजनाओं को न केवल जाना बल्कि उनका लाभ लेने में रुचि दिखाई। वर्तमान स्थिति में ट्रैक्टर दूसरे साधनों से खेतों की जुताई और फसल की कटाई के लिए हार्वेस्टर मशीन का उपयोग बड़ी मात्रा में बड़ा है। किसानों को इन संसाधनों का उपयोग करने से समय में बचत हुई है और पारिश्रमिक के नाम पर होने वाले खर्च में भी काफी कमी आई है। क्योंकि देखा गया है कि मनरेगा और सरकार की दूसरी लॉन्च की गई योजनाओं से मिलने वाले लाभ के कारण खेती-बाड़ी के लिए श्रमिक का अभाव हो गया है। ऐसे में किसानों ने कार्यक्षेत्र के अंतर्गत बदलाव करने पर ध्यान दिया।

संसाधन के साथ स्थिति सामान्य करने में जुटा सीएसईबी

लाइन पर पेड़ गिरा, अंधेरे में डूबा पीएच रोड और दर्री रोड इलाका

कोरबा। मौसम की मनमानी से पिछले 4 दिन से कोरबा में जनजीवन असामान्य बना हुआ है। कहीं जल भराव तो कहीं संपत्ति को नुकसान और विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत सप्लाई बाधित है। हवा के तेज दबाव के कारण शुक्रवार को भारी भरकम पेड़ के विद्युत लाइन पर गिरने से सप्लाई डिस्टर्ब हो गई। पावर हाउस रोड और दरी रोड क्षेत्र के लोगों ने पूरी रात अंधेरे में गुजारी। आज सुबह भी यही हाल रहा। वितरण कंपनी के द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के कोरबा सुप्रिंटेंडिंग इंजीनियर पीएल सिदार ने बताया कि मौसम बिगड़ने के कारण कई प्रकार की प्रतिकूल स्थिति शहरी क्षेत्र में निर्मित हुई है। बताया गया कि अनेक स्थान पर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई इन कारणों से डिस्टर्ब हुई। मैदानी अमले के साथ सुधार कार्य शुरू कराया गया। फॉल्ट मिलने के साथ काम को सामान्य करने में बहुत देर नहीं लगी। लेकिन जहां पर काफी तगड़े फॉल्ट सामने आए, वहां परेशानियां जरूर ज्यादा है। विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी ने बताया कि कोरबा के पावर हाउस रोड और दर्री रोड मैं सप्लाई से संबंधित एक लाइन पर शुक्रवार को दोपहर बाद एक जगह भारी भरकम पेड़ के गिरने की घटना हुई।

इस दौरान किसी प्रकार की जनता नहीं तो नहीं हुई लेकिन विद्युत लाइन को नुकसान पहुंचा और सप्लाई ठप्प हो गई। मामला गंभीर था इसलिए सतर्कता के स्तर पर कार्य किए गए। तात्कालिक तौर पर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल सका और इसके चलते स्थिति को सामान्य करने में दिक्कत हुई। संबंधित समस्या का निराकरण करने के लिए संसाधन और मैनपॉवर को आज डिप्लॉय किया गया है। संभावना है कि समस्या वाले क्षेत्रों में दोपहर तक बिजली आपूर्ति बहाल कर ली जाएगी।

लोगों को होना पड़ा परेशान

एक तो गर्मी का मौसम, ऊपर से भारी भरकम बारिश के साथ दुश्वारियां सामने आ गई। ऐसे में जीव जंतु के खतरे की आशंका मजबूत हो जाती हैं। इन सब के बीच बिजली नहीं होने से लोगों को कई प्रकार की समस्याओं से पूरी रात गुजारनी पड़ी। वैकल्पिक साधनों की उपलब्धता से सीमित परिवारों को रात में चैन मिला लेकिन सामान्य परिवारों के पास मच्छरों से जूझने अथवा रथ जगह करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं रहा।

कोटवारी जमीन का नामांतरण आखिर कैसे, सांठ-गांठ का आरोप

खरीद बिक्री में जांच के आदेश से कटघोरा क्षेत्र में खलबली

कोरबा। कोरबा तहसील के अंतर्गत कुछ गांव में हाल में ही जिला प्रशासन ने ऐसी सभी रजिस्ट्री को खारिज कर दिया जिनका संबंध कोटवारी भूमि से था। इसी के साथ सभी क्षेत्र में कोटवारी जमीन बेचने और खरीदने की जांच के आदेश राजस्व विभाग को दिए गए हैं । इसके कारण कटघोरा क्षेत्र में काफी खलबली मची हुई है। खबर है कि कटघोरा नगर के आसपास कई गांव में कोटवारी जमीन को बेच दिया गया है और साहूकारों उसकी खरीदी कर ली। और तो और आश्चर्यजनक तरीके से रजिस्ट्री के बाद नामांतरण भी हो गया।

जानकार सूत्रों ने बताया कि कटघोरा, जेन्जरा, कसनिया और सुतर्रा जैसे इलाकों में भी बड़े पैमाने पर कोटवारी भूमि की खरीद-फरोख्त की गई है। कोरबा में खुलासा के बाद सभी क्षेत्र में ऐसे मामलों की जांच के निर्देश प्रशासन में दिए हैं। यह टीम न केवल पुराने भूमि अभिलेखों की समीक्षा कर रही है, बल्कि उन मामलों का भी परीक्षण कर रही है जो न्यायालय में विचाराधीन हैं। कोटवारी भूमि, जो ग्राम स्तर पर सार्वजनिक उपयोग के लिए आरक्षित होती है, उसकी बिक्री न केवल अवैध है बल्कि यह ग्राम पंचायत के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन भी है। ऐसे इलाके जहां आमतौर पर प्रशासन की सीधी निगरानी नहीं होती वहां इस प्रकार के अवैध सौदे जमकर हुई। भूमाफियाओं ने फर्जी दस्तावेजों और रजिस्ट्री के माध्यम से कोटवारी भूमि की खुलेआम खरीद-बिक्री की। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस पूरे रैकेट में शहर के कई रसूखदार और नामचीन लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने दलालों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनें खरीदीं। कोटवारी भूमि की अवैध बिक्री को लेकर तहसील कार्यालय में पहले भी कई शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन लंबे समय तक इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अब जब प्रशासन ने नामांतरण निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू की है, तो उन लोगों में हड़कंप मच गया है जिन्होंने इस जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया था या खरीदी-बिक्री की थी। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इन जमीनों का न केवल सीमांकन कराया गया, बल्कि बाकायदा रजिस्ट्री भी की गई है, जो स्पष्ट रूप से प्रशासनिक तंत्र में मिलीभगत की ओर इशारा करता है। अब जब जांच शुरू हुई है तो पूरे जिले में हड़कंप की स्थिति है, और संभावना है कि आने वाले दिनों में कई बड़े नामों का खुलासा हो सकता है।

संयुक्त मोर्चा की बैठक रांची में

कोरबा। राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर संयुक्त मोर्चा की कल रांची में बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में शामिल होने के लिए एसईकेएमसी के केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह व उपाध्यक्ष संदीप चौधरी रांची के लिए रवाना हुए है।

बच्चों का कौशल निखर रहा कैंप में

कोरबा। भारी गर्मी को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग में जून के पहले पखवाड़े तक ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा कर दी है। संभल यह है कि गर्मी की छुट्टी में बच्चों के लिए क्या किया जाए? साधन संपन्न बच्चों के लिए उनके अभिभावकों ने टूर पैकेज बनाए हैं वही बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे भी हैं जिन्हें पूरे समय यहां पर ही रहना है। इसकी उपयोगिता को सुनिश्चित करने के लिए कई संस्थाओं ने क्रिएटिव एक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए समर कैंप लगाए हैं। बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को परिष्कृत करने के लिए यह कोशिश काफी सहायक साबित हो रही है। ब्रह्माकुमारीज, संस्कार भारती, गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ़ लिविंग, जेसीआई जैसी संस्थाओं ने अलग-अलग स्तर पर बच्चों के लिए बाल सृजन संस्कार कैंप का आयोजन किया है। रुचि और सुविधा का ध्यान रखते हुए इसके लिए एक सप्ताह से लेकर 15 दिन की समय सारणी तय की गई है। शिविर में व्यक्तित्व विकास, व्यवहार, संवाद, चित्रकला, ड्राइंग, कर्सिव राइटिंग, के साथ-साथ 10 से ज्यादा आयाम को शामिल किया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों के लिए लगाए गए ऐसे शिविरों को या तो निशुल्क रखा गया है या तो फिर सामान्य शुल्क की व्यवस्था की गई है ताकि काफी संख्या में बच्चों की भागीदारी इस प्रकार के आयोजन में हो सके। बताया गया कि इस प्रकार के शिविर बच्चों के लिए न केवल रुचिकर साबित हो रहे हैं बल्कि इसके माध्यम से उनके भीतर का संकोच खत्म हो रहा है और कहीं भी अपने आप को रिप्रेजेंट करने में सफल हो रहे हैं।

पसान रेंज में लोनर का आंतक सुखाबहरा में ढहाया मकान

कोरबा। जिले के कटघोरा वन मंडल के पसान रेंज में लोनर हाथी का आतंक जारी है। लोनर हाथी ने बीती रात रेंज के बीजाढांढ सर्किल के सुखाबहरा में उत्पात मचाते हुए नेपाल सिंह नामक एक ग्रामीण के मकान को ढहा दिया जिससे उसका परिवार बाल-बाल बच गया। ग्रामीण ने परिवार समेत छिपकर जान बचाई। इससे पहले इस लोनर हाथी ने बीजाढांढ में भंवर सिंह के घर को ध्वंस्त कर दिया था। लोनर द्वारा क्षेत्र में उत्पात मचाये जाने तथा घरों को तोड़ने से ग्रामीण दहशत में है। वहीं सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर नुकसानी के आकंलन में जुट गये है। उधर केंदई रेंज के कांपानवापारा तथा कोरबी सर्किल में 45 हाथी विचरण कर रहे है।

सेवावृद्धि के इंतजार में संविदा पशु चिकित्सा

कोरबा। क्या सुशासन तिहार में संविदा पशु चिकित्सकों को सेवा वृद्धि का उपहार मुख्यमंत्री विष्णु देव से मिलेगा? जिला खनिज न्यास मद से कोरबा सहित अन्य जिलों में पशु चिकित्सकों की भर्ती की गई थी जिसे आगामी दिनों में समाप्त करने का परिपत्र जारी हुआ है। मुख्यमंत्री के कोरबा प्रवास पर पशु चिकित्सा उनसे सेवा वृद्धि के बारे में बात करेंगे। मालूम हुआ है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव के पास पशु चिकित्सा विभाग भी है। ग्रामीण पृष्ठभूमि से होने के कारण मुख्यमंत्री को इस विषय की अच्छी समझ है और वह लगातार इस पर काम करते रहे हैं। खबर के अनुसार कोरबा और अन्य जिलों में वेटरिनरी हॉस्पिटल में संविदा आधार पर डिग्री धारक डॉक्टर की नियुक्ति पिछले वर्ष की गई थी। अज्ञात कारण से ऐसे डॉक्टर को अब बाहर का रास्ता दिखाने की कोशिश की जा रही है। एक परिपत्र ने इन लोगों की चिंता बढ़ाई है। पशु चिकित्सकों का सवाल है कि अगर दे वहां काम नहीं करेंगे तो चिकित्सालय की भूमिका क्या होगी और पशुओं से संबंधित बीमारी का निराकरण कैसे होगा। उन्होंने सुशासन तिहार के आयोजन के बीच अपनी बात जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाई है और मुख्यमंत्री को भी इस बारे में अवगत कराना तय किया है। पशु चिकित्सा चाहते हैं कि संबंधित कार्य स्थल पर उनकी सेवा वृद्धि के बारे में तत्काल आदेश जारी होना चाहिए।

15 समितियों के अंतिम मिलान के चक्कर में रुका कमीशन

कोरबा। कोरबा जिले में धान उपार्जन की प्रक्रिया जनवरी में पूरी हो चुकी है। धान का उठाव भी हो चुका है। 3 महीने का समय व्यतीत होने पर भी सेवा सहकारी समितियां कमीशन के इंतजार में है। खबर के अनुसार 10 से 15 समिति के अंतिम मिलान मैं देरी होने के कारण कमीशन अटका हुआ है।

जानकारी मिली है कि प्रति क्विंटल धान की खरीदने के पीछे समिति को ?31. 25 पैसे की राशि कमीशन के तौर पर मिलते हैं। जिले में इस वर्ष जितनी खरीदी 65 उपार्जन केदो के स्तर से हुई है, उसे आधार पर कमीशन की राशि 9 करोड़ से ज्यादा की होती है। जानकारी के अनुसार कमीशन की राशि से ही सहकारी समितियां के कर्मचारियों के वेतन आधु संरचना और दूसरे खर्च समायोजित होते हैं। इसलिए हर समिति चाहती है कि प्रतिवर्ष उपार्जन की प्रक्रिया पूरी होने के साथ कमिशन का भुगतान हो जाना चाहिए। पता चला है कि लगभग 50 समितियां की खरीदी का अंतिम मिलन पूरा हो चुका है और रिपोर्ट आगे दी जा चुकी है लेकिन 15 समितियां के मामले में या प्रक्रिया अभी भी अधूरी है। इस चक्कर में पूरा कामकाज अटका हुआ है। इसके चलते भुगतान जारी नहीं किया जा रहा है। कोऑपरेटिव बैंक की ओर से अपने हिस्से की जिम्मेदारी पूरी कर दी गई है । जबकि आगे का काम मार्कफेड का है। बताया गया कि धन उपार्जन से कमीशन के तौर पर प्राप्त होने वाली राशि वहां के कर्मियों के आर्थिक और सामाजिक हितों का पोषण करने में सहायक होती है इसलिए अपेक्षा की जा रही है कि सुशासन तिहार में इस काम को पूरा कर लिया जाना चाहिए।

मांगे नही मानी तो राजस्व कर्मी करेंगे आंदोलन

कोरबा। छत्तीसगढ़ प्रदेश राजस्व लिपिक कर्मचारी संघ के गठन के बाद प्रदेशभर में अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में कोरबा जिले में संघ के प्रतिनिधियों द्वारा अपर कलेक्टर मनोज कुमार बंजारे को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में प्रमुख मांगों के रूप में वर्ष 2014 के बाद विभागीय नायब तहसीलदार परीक्षा को पुनः प्रारंभ करने, अधीक्षक से डिप्टी कलेक्टर के पदोन्नति हेतु पांच वर्षों की अनिवार्यता को घटाकर तीन वर्ष किए जाने की मांग की गई। साथ ही सहायक अधीक्षक से अधीक्षक के रिक्त पदों को शीघ्र भरने, तथा 30 वर्षों की सेवा पर पूर्ण पेंशन की मांग की है। जगदीश खरे, भीमराव आहेर, रामकुमार बंजारे, लोकनारायण जयसवाल, पुरुषोत्तम तिवारी, रामजी कंवर, सनत राठौर, सागर बर्मन, संतोष कंवर, सुनीता सरकार, अनुपमा टोप्पो, हीरा कंवर एवं अन्य कर्मचारी ज्ञापन सौंपने के दौरान उपस्थित रहे।

सुरक्षित और समावेशी कार्य स्थल पर बालको की पहल

बालकोनगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने मजदूर दिवस के अवसर पर सुरक्षित, डिजिटल और समावेशी कार्यस्थल निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रचालन क्षेत्र में 11,000 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों के साथ कंपनी एक ऐसी कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है, जहाँ सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डिजिटलीकरण से कार्य प्रक्रियाएं अधिक कुशल बनी हैं और इससे कर्मचारियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बालको में सुरक्षा साझी जिम्मेदारी है, सभी कर्मचारी एवं आगंतुक सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं। पूरे प्लांट में अग्नि एवं सड़क सुरक्षा जैसे विषय पर होने वाली मासिक चर्चाएं सुरक्षा संस्कृति को और मजबूती प्रदान करती हैं। इन कार्यों को एआई-संचालित निगरानी प्रणालियों तथा डिजिटल सुरक्षा डिस्प्ले के सहयोग से जोखिमों की पहचान तथा सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कर कंपनी के शून्य-

हानि दर्शन की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।कंपनी ने डिजिटलाजेशन से कर्मचारियों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया है जिससे प्रचालन का कार्य सुरक्षित व दक्षता के साथ हो रहा है। पॉटलाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआर/वीआर प्रशिक्षण ने कर्मचारियों को सुरक्षित एवं नियंत्रित वातावरण में जटिल कार्यों के लिए तैयार होने में सक्षम बनाया है। मैटेरियल मूवमेंट और कास्ट हाउस के कार्यों का संचालन रियल-टाइम डैशबोर्ड और स्वचालित ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से अधिक पारदर्शिता और दक्षता के साथ किया जाता है। इन्वेंट्री प्रोसेसिंग से लेकर इंटरलॉक प्रोटेक्शन तक डिजिटल टूल टीम को तेजी से निर्णय लेने, जोखिमों की पहचान करने और कार्यस्थल के तनाव को कम करने में सहायक हैं।बालको में स्वास्थ्य और कल्याण कार्यस्थल से शुरू होता है, जहाँ नियमित जांच और स्वास्थ्य जांच के माध्यम से निवारक देखभाल दैनिक कार्यों में अंतर्निहित है। कर्मचारियों और उनके परिवारों के पास बालको अस्पताल के 100 से अधिक बेड वाले मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की सेवाएं सुलभ हैं, जहाँ उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उन्नत चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होती हैं।बालको शारीरिक देखभाल के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देता है। कर्मचारियों को मेंटल वैलनेस एप्लिकेशन भी मुहैया कराई गई है जो गोपनीय रूप से परामर्श और आवश्यक संसाधन प्रदान करती है। जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए बालको विभिन्न मैराथन, टूर्नामेंट और फिटनेस पहल का आयोजन भी करता है, जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ सामुदायिक एकता को भी मजबूत करते हैं। ये सभी प्रयास मिलकर एक ऐसे कार्यस्थल का निर्माण करते हैं जो पेशेवर और व्यक्तिगत विकास दोनों को प्राथमिकता देता है।बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने मजदूर दिवस पर कंपनी में कार्यरत श्रमिकों को असली ताकत बताया।

साधक गये जैजेपुर

कोरबा। सिद्धाश्रम साधक परिवार के द्वारा जैजेपुर में साधना शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें गुरूदेव अरविंद श्रीमाली के द्वारा गुरूदीक्षा प्रदान की जायेगी। इस अवसर पर विशेष दीक्षा के अलावा प्रवचन के कार्यक्रम होंगे। जिसकी तैयारी अशोक कंवर व खम्हन सिंह कंवर, राजेश नायक सहित अन्य साधकों के द्वारा की गई है। यह जानकारी घनश्याम बरेठ ने दी है।

जय श्रीराम
प्लाट-मकान उपलब्ध
बेजा कब्जा, डायवर्टेड रजिस्ट्री प्लाट, मकान कोरबा के सभी लोकेशन पर उपलब्ध है।
संपर्क करें
प्रापर्टी डीलर
62681-46606

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोनः 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com